सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

इंडस्ट्री के लोग समझते थे नीचा.... पेज: 5

ईद पर भाई चारा बनाए रखें और जरूरतमंदों की ... पेज: 5

वर्ष : 01 | अंक : 338 | शुक्रवार 20 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

कानपुर में ट्रेन ट्रैक पर जला एलपीजी सिलेंडर मिला, यात्रियों में दहशत

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर कैंटोनमेंट इलाके में बुधवार शाम लगभग 7:30 बजे दिल्ली-प्रयागराज रेल मार्ग पर एक छोटा एलपीजी सिलेंडर जल गया। यह घटना कानपुर सेंट्रल स्टेशन से लगभग दो किलोमीटर दूर सुनसान इलाके में हुई। पांच किलो का सिलेंडर ट्रैक से लगभग सात फीट दूर मिला। स्थानीय निवासियों ने आग पर पुलिस और आरपीएफ के आने से पहले ही काबू पा लिया। पुलिस के अनुसार, सिलेंडर महाबोधि एक्सप्रेस से गिरा हो सकता है और गैस रिसाव के कारण उसमें आग लग गई। घटनास्थल से अधजला बोरा बरामद हुआ, जिसमें बर्तन, मोबाइल फोन और प्रतापगढ़ निवासी ओम प्रकाश मिश्रा का आधार कार्ड मिला। डीसीपी (ईस्ट) सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि मिश्रा दिल्ली में सुरक्षा गार्ड हैं और घर लौट रहे थे। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मामले की गहन जांच कर रही हैं। शुरुआती आकलन इसे हादसा मान रहा है, लेकिन शराब सेवन, लापरवाही या संभावित साजिश के पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

वर्धा रोड फ्लाईओवर पर चलती कार बनी आग का गोला, चालक ने कूदकर बचाई जान

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर में वर्धा रोड स्थित जयप्रकाश मेट्रो स्टेशन के पास डबलडेकर फ्लाईओवर पर बुधवार रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। एक चलती कार में अचानक भीषण आग लग गई, जिसके बाद देखते ही देखते पूरी गाड़ी धू-धू कर जल उठी। गनीमत यह रही कि कार चला रहे युवक ने समय रहते सूझबूझ दिखाई और गाड़ी से बाहर कूदकर अपनी जान बचा ली। जानकारी के अनुसार, यशोधरानगर निवासी अमजद खान उर्फ इमरान खान अपने एक रिश्तेदार से मुलाकात कर घर वापस लौट रहे थे। जब उनकी कार राजीव नगर के पास फ्लाईओवर पर पहुंची, तो अचानक बोनट से धुआं निकलने लगा। खतरे को भांपते हुए उन्होंने तुरंत गाड़ी रोकने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान कार के दरवाजे (सेंट्रल लॉकिंग) जाम हो गए। अमजद ने कड़ी मशक्कत के बाद खुद को सुरक्षित बाहर निकाला। उनके बाहर निकलते ही कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना के कारण फ्लाईओवर पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सुरक्षा के मद्देनजर यातायात को कुछ समय के लिए रोक दिया गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग के बेसा-पिपला और नरेंद्रनगर केंद्रों से दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि कार डीजल इंजन वाली थी और संभवत: शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी होगी। हालांकि, आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस और विशेषज्ञ जांच में जुटे हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और यातायात को सुचारू कर दिया गया है।

सिंगरौली में शराब पीकर स्कूल आने वाला शिक्षक निलंबित

सिंगरोली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में शिक्षा व्यवस्था को शर्मसार करने वाली एक तस्वीर सामने आई है। आरोप है कि सरकारी प्राथमिक पाठशाला में पदस्थ शिक्षक हर रोज शराब पीकर स्कूल पहुंचता है और हाजिरी लगाकर घर लौट जाता है। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने शिक्षक को निलंबत कर दिया है। लोगों का कहना है कि स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों का भविष्य दांव पर लगा है। शराबी शिक्षक के डर और पढ़ाई न होने की वजह से आधे से अधिक छात्रों ने स्कूल जाना छोड़ दिया है। पूरा मामला बरगवां थाना क्षेत्र स्थित शासकीय प्राथमिक पाठशाला मझौली टोला मजगवां सेकेंड का है। यहां शिक्षक लखपति सिंह पदस्थ हैं। इस स्कूल में कुल 25-30 बच्चे हैं, शिक्षक हर रोज शराब पीकर स्कूल आते हैं और अपनी हाजिरी लगाकर वापस घर लौट जाते हैं। आरोप है कि आरोपी शिक्षक लखपति जब तक स्कूल में होते हैं तब शराब के नशे में बच्चों के साथ बदतमीजी करते हैं। इस कारण आधे से अधिक छात्रों ने स्कूल जाना छोड़ दिया है। बच्चों के अभिभावक और स्थानीय निवासियों ने बताया कि लखपति सिंह सालों से शराब पीकर स्कूल आ रहे हैं। इससे बच्चों का भविष्य बर्बाद हो रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी एसबी सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है। शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है।

हरियाणा कांग्रेस में आंतरिक खींचतान, क्रॉस वोटिंग पर उठे सवाल

अंबाला (एजेंसी)। हरियाणा राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग को लेकर कांग्रेस के अंदरूनी मतभेद अब सार्वजनिक हो गए हैं। पूर्व प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष रामकिशन गुर्जर चौधरी ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में प्रेस वार्ता करते हुए पार्टी नेतृत्व और नेताओं पर सीधे निशाना साधा। गुर्जर ने विधायक शैली चौधरी पर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह खारिज किया और कहा कि बिना सबूत किसी की छवि को नुकसान पहुंचाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि जरूरत पड़ी तो गीता भुक्कल को लीगल नोटिस भेजा जा सकता है। गुर्जर ने पार्टी में चापलूसी बढ़ाने वालों की निंदा की और क्रॉस वोटिंग के आरोपों पर सभी तथ्यों को सार्वजनिक करने की मांग की।

झारखंड में जादू टोने के शक में बुजुर्ग से मारपीट कर पेशाब पीने पर किया मजबूर

लातेहार (एजेंसी)। झारखंड के लातेहार जिले में ग्रामीणों ने एक बुजुर्ग व्यक्ति को 'जादू टोना करने वाला' करार देने के बाद उसे पेशाब पीने के लिए मजबूर किया। पीड़ित के बेटे बृजेश मुंडा ने आरोप लगाते हुए कहा कि यह घटना मंगलवार को नेतरहाट पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दौना गांव में हुई। बेटे ने बताया कि ग्रामीणों ने पीड़ित की पत्नी के साथ भी ऐसा ही करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने इसका विरोध किया। वहीं, एक स्वास्थ्यकर्मी को ग्रामीणों की इस हरकत का विरोध करने पर पीटा गया और वहां से भगा दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बृजेश मुंडा ने दावा किया है कि यह हमला हाल में एक सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत के बाद हुआ, जिसमें ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यह उसके पिता के काले जादू के कारण हुआ था। इसके बाद तकरीबन 15 ग्रामीणों के एक समूह ने बैठक बुलाई और कथित हमले से पहले उसके पिता को जादू टोना करने वाला करार दिया। वहीं एक स्वास्थ्यकर्मी के पति ने दावा किया कि इस घटना के दौरान उनकी पत्नी को पीटा गया। बृजेश मुंडा ने आरोप लगाया है कि बुधवार को पीड़ित ने पुलिस से संपर्क किया, लेकिन उसे वापस भेज दिया गया।

दुनिया ईरान-अमेरिका जंग में उलझी...इधर भारत ने कर दिया कमाल, पड़ोसी पाकिस्तान की जान हल्क में

-पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट के दो प्रोडक्शन बेंचों का सफल परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ओर मिडिल ईस्ट में ईरान की इजराइल और अमेरिका के साथ बेहद खतरनाक जंग जारी है। मिसाइलें, ड्रोन और एयर स्ट्राइक हर दिन हालात और ज्यादा गंभीर बना रहे हैं। लेकिन इसी बीच भारत ने चुपचाप एक ऐसा कदम उठाया हैं, जिसने पूरी दुनिया को दो टूक संदेश दिया कि भारत अब सिर्फ देख नहीं रहा बल्कि पूरी तैयारी में है। भारत ने पहली बार पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट के दो प्रोडक्शन बेंचों का सफल परीक्षण किया है। इस ऐतिहासिक परीक्षण को राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में अंजाम दिया गया। वहीं पोखरण जहां भारत ने अपने परमाणु परीक्षणों से दुनिया को चौंका दिया था और अब उसी धरती से फिर भारत की ताकत की गूंज सुनाई दे रही है। इस टेस्ट में कुल 24 पिनाका एनहांस रॉकेट लांच किए गए। इस परिक्षण के बाद पड़ोसी आंतकी मुल्क पाकिस्तान की हल्क में जान आ गई है।

इनका उद्देश्य था इनकी सटीकता, निरंतरता और मारक क्षमता को परखना और रिपोर्ट्स के मुताबिक इन रॉकेट्स ने हर पैरामीटर पर शानदार प्रदर्शन किया। अब सवाल उठता है कि यह पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट आखिर है क्या? दरअसल पिनाका एक मल्टीबैरल रॉकेट लांच सिस्टम है, जो कि पूरी तरह भारत में विकसित किया गया है। यह सिस्टम कुछ ही सेकंड में दर्जनों रॉकेट दाग सकता है और दुश्मन के बड़े इलाके को तबाह कर सकता है। लेकिन इस नए वर्जन यानी कि एक्सटेंडेड रेंज की खास बात यह है कि इसकी मारक क्षमता पहले से कहीं ज्यादा बढ़ा दी गई है। जहां पहले इसकी रेंज करीब 40 कि.मी.थी, वहीं अब 70 से 90 कि.मी. तक सटीक वार कर सकता है। यानी अब भारतीय सेना दुश्मन को दूर से और ज्यादा सटीक तरीके से निशाना बना सकती है। और सबसे बड़ी बात यह टेस्ट सिर्फ एक प्रोटोटाइप का नहीं था बल्कि दो अलग-अलग प्रोडक्शन बेंचों का था। इसका मतलब होता है कि अब यह टेक्नोलॉजी सिर्फ लैब तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए तैयार है।

इस पूरे परीक्षण को निजी डिफेंस कंपनी सोलार ग्रुप ने अंजाम दिया। यह दिखाता है कि भारत में प्राइवेट सेक्टर भी अब डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। अब जरा इस खबर को ग्लोबल परिपेक्ष से समझिए। एक तरफ ईरान और इजराइल के बीच तनाव चरम पर है। अमेरिका भी संघर्ष में सीधे शामिल है। पूरी दुनिया में युद्ध जैसे हालात बनते जा रहे हैं। इसके बाद भारत का यह परीक्षण सिर्फ एक सैन्य उपलब्धि नहीं बल्कि एक रणनीतिक संदेश है। संदेश यह है कि भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है। संदेश यह है कि भारत अब किसी पर निर्भर नहीं है और संदेश यह है कि भारत अब टेक्नोलॉजी और ताकत दोनों में तेजी से आगे बढ़ चुका है। बता दें, आधुनिक युद्ध सिर्फ सैनिकों की संख्या से नहीं जीते जाते। आज की लड़ाई टेक्नोलॉजी सटीकता और दूरी से लड़ी जाती है और पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट इसी नई युद्ध नीति का सबसे बड़ा हिस्सा है। खैर आज जब दुनिया में हर तरफ अनिश्चितता है।

हिमाचल बजट सत्र : सुक्खू सरकार के पास जनता को बताने के लिए कोई उपलब्धियां नहीं

-नेता प्रतिपक्ष ने सरकार की नीतियों, कार्यप्रणाली और कार्यकाल को लेकर साधा निशाना

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विपक्ष ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व सीएम जयराम ठाकुर ने सरकार की नीतियों, कार्यप्रणाली और तीन साल के कार्यकाल पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इस बार सरकार के पास जनता को बताने के लिए कोई उपलब्धियां नहीं हैं और पूरा भाषण आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रहा। सरकार लगातार केंद्र सरकार को कोस रही है जबकि बीजेपी के कार्यकाल में परिस्थितियां बिल्कुल अलग थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयराम ठाकुर ने कहा कि बीते चार साल में सरकार कोई बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं की है। प्रदेश में नई योजनाओं का अभाव रहा और कई संस्थान बंद कर दिए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य पर कर्ज बढ़कर करीब एक लाख 10 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गया है लेकिन इसके बावजूद जमीन पर कोई विकास कार्य नजर नहीं आ रहे हैं। पिछली सरकार पर ठेकेदारों को खुश करने के आरोपों का जवाब देते हुए जयराम ने कहा कि उस समय बनाए गए भवन जनता की मांग और विधायकों की सिफारिश पर बने थे। विपक्ष ने सवाल उठाया कि जिन उद्देश्यों के लिए ये भवन बनाए गए थे वर्तमान सरकार उन्हें पूरा क्यों नहीं कर रही और कई संस्थानों को बंद क्यों किया गया। संदिग्ध सत्यनिष्ठा वाले अधिकारियों के मुद्दे पर विपक्ष ने सरकार को घेरा। जयराम ठाकुर ने कहा कि ऐसे अधिकारियों को सेवा विस्तार नहीं दिया जाना चाहिए था। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि विस्तार के बाद इन अधिकारियों को जो जिम्मेदारियां दी गईं क्या उन्होंने उन्हें ईमानदारी से निभाया। राजनीतिक माहौल पर तंज कसते हुए जयराम ने सीएम सुक्खू के बयान पर पलटवार किया और कहा कि वे किसी तनाव में नहीं हैं बल्कि सीएम खुद चिंता में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के भीतर ही मंत्री यह कह रहे हैं कि सरकार बनने का श्रेय किसी और को जाता है और उपमुख्यमंत्री की भूमिका को लेकर भी बयानबाजी हो रही है।

शिवसेना (यूबीटी) के आधे से ज्यादा सांसद शिंदे के संपर्क में, बदलना चाहते हैं दल

-एकनाथ शिंदे के दिल्ली से ऑपरेशन टाइगर की चर्चा, उद्धव गुट में बढ़ी बेचैनी!

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की सियासत में क्या डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे एक बार खेला करने जा रहे हैं? शिंदे के दिल्ली दौरे से महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर की चर्चा तेज हो गई है, जिसे लेकर उद्धव ठाकरे गुट में बेचैनी बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि उद्धव के आधे से ज्यादा सांसद शिंदे गुट का दामन थाम सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि शिवसेना (यूबीटी) के आधे से ज्यादा सांसद डिप्टी सीएम एकनाथ शिंद के संपर्क में है और दल बदलने के लिए तैयार का रहे हैं। शिंदे का यह कदम उस बड़े मिशन का हिस्सा है, जिसका मकसद अपनी पार्टी की ताकत बढ़ाना और संसद में अपने सदस्यों की संख्या बढ़ाना है। महाराष्ट्र की राजनीति में फिर से बड़े बदलाव की संभावना जताई जा रही है। शिंदे के तीन दिवसीय दिल्ली दौरे ने उद्धव ठाकरे गुट की बेचैनी को बढ़ा दिया है। हालांकि, शिंदे के साथ दिल्ली दौरे पर मौजूद रहे उदय सामंत ने कहा कि यह दौरा पूरी तरह से सांसदों के साथ संवाद और मार्ग दर्शन के लिए था।

रिपोर्ट के मुताबिक डिप्टी सीएम एकनाथ ने अपने दिल्ली दौरे पर सबसे पहले संसद भवन पहुंचे। संसद भवन में पीएम मोदी से मुलाकात की और उसके केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भी मिले थे। सूत्रों की माने तो उद्धव ठाकरे के 9 लोकसभा सांसदों में से आधे से ज्यादा सांसद डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के संपर्क में है और पाला बदलने के इच्छुक हैं। शिवसेना के सूत्रों ने बताया है कि दिल्ली यात्रा के दौरान एकनाथ शिंदे ने अपने सांसदों के साथ पीएम मोदी से मुलाकात की और इस दौरान उन्होंने उद्धव गुट के सांसदों के पाला बदलने के मुद्दे पर चर्चा की। ऐसे शिंदे ने दिल्ली दौरे पर कानूनी विशेषज्ञों से इस संबंध में राय भी ली है। इसके बाद से ऑपरेशन टाइगर की चर्चा तेज हो गई।

बंगाल चुनाव से पहले चुनाव आयोग का बड़ा एक्शन, 40 से ज्यादा अफसरों का तबादला

शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर पुलिस महकमे तक व्यापक फेरबदल, राजनीतिक माहौल गरमाया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद निर्वाचन आयोग ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाते हुए राज्य में व्यापक फेरबदल किया है। अब तक 40 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को उनके पदों से हटाया या स्थानांतरित किया जा चुका है, जिसे लेकर अब राजनीतिक गलियारे में भी हड़कंप मचा हुआ है।

राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा को उनके पदों से हटाकर चुनाव से जुड़े कार्यों से दूर कर दिया गया है। उनकी जगह दुश्मंता नरिवाला को नया मुख्य सचिव और संगमित्रा घोष को गृह सचिव नियुक्त किया गया है। प्रशासनिक स्तर पर इतनी तेजी से बदलाव को राज्य के इतिहास में दुर्लभ माना जा रहा है।

यह कार्रवाई केवल शीर्ष अधिकारियों तक सीमित नहीं रही। पुलिस विभाग में भी बड़े पैमाने पर तबादले किए गए हैं। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), कानून-व्यवस्था के महानिदेशक, दक्षिण बंगाल के अतिरिक्त महानिदेशक और उत्तर बंगाल के महानिरीक्षक सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों को बदला गया है। इसके साथ ही बैरकपुर, हावड़ा, आसनसोल और चंदननगर जैसे प्रमुख शहरों के पुलिस आयुक्तों का भी स्थानांतरण किया गया है।

क्षेत्रीय स्तर पर भी इसका व्यापक असर देखने को मिला है। मुर्शिदाबाद, बर्दवान, प्रेसिडेंसी रेंज, रायगंज और जलपाईगुड़ी के पांच डीआईजी को हटाया गया है, जबकि कूचबिहार, बीरभूम, हुगली ग्रामीण, मालदा और पूर्व-पश्चिम मेदिनीपुर समेत 12 जिलों के पुलिस अधीक्षकों का तबादला किया गया है। साथ ही 15 आईपीएस अधिकारियों को अन्य राज्यों में चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है।

राजनीतिक मोर्चे पर भी इस कार्रवाई को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने जहां चुनावी जीत का दावा किया है, वहीं ममता बनर्जी ने आयोग की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम बीजेपी के इशारे पर उठाया गया है। वहीं बीजेपी ने चुनाव आयोग के इस फैसले का समर्थन किया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि राज्य में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराने के लिए ऐसे कदम जरूरी थे।

चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि उसका उद्देश्य केवल स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव सुनिश्चित करना है। आयोग के अनुसार, इन बदलावों से प्रशासनिक निष्पक्षता बनी रहेगी और मतदाताओं का भरोसा मजबूत होगा। पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले हुआ यह बड़ा प्रशासनिक फेरबदल आने वाले दिनों में राज्य की राजनीति और चुनावी रणनीतियों पर गहरा असर डाल सकता है।

सोनिया गांधी पर भड़के कांग्रेस नेता थरूर कहा- जंग पर सरकार की चुप्पी मोरल सरेंडर नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर लगातार कांग्रेस के खिलाफ बयान दे रहे हैं। कई मौकों पर उन्होंने तंस भी कसे हैं। इस बार कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पर पलटवार किया है। सोनिया गांधी ने हाल ही में एक लेख के माध्यम से सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन और उसके राष्ट्राध्यक्ष की हत्या पर नई दिल्ली की खामोशी भारत की विदेश नीति की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के पक्ष में खड़े होने के अवसर को गंवाने जैसा बताया था। इसके जवाब में थरूर ने कहा है कि जंग पर सरकार की चुप्पी मोरल सरेंडर नहीं हो सकती।

पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष और ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद भारत सरकार के रुख को लेकर देश की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है। विशेष रूप से कांग्रेस पार्टी के भीतर इस मुद्दे पर अलग-अलग राय सामने आ रही है। जहाँ पार्टी की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने सरकार की चुप्पी की तीखी

आलोचना की है, वहीं तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने सरकार के इस कदम को एक सोची-समझी और जिम्मेदार कूटनीति (रिस्पॉन्सिबल स्टेटक्राफ्ट) करार दिया है।

हालांकि, पूर्व राजनयिक और कांग्रेस नेता शशि थरूर ने इस आलोचना से असहमति जताते हुए एक अलग दृष्टिकोण पेश किया है। थरूर का तर्क है कि भारत की चुप्पी कोई नैतिक आत्मसमर्पण नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अपनाया गया एक व्यावहारिक संतुलन है। उनके अनुसार, विदेश नीति केवल नैतिक भाषणबाजी का मंच नहीं है, बल्कि यह सिद्धांतों और शक्ति के बीच संतुलन साधने का क्षेत्र है। थरूर ने ऐतिहासिक उदाहरण देते हुए स्पष्ट किया कि भारत ने अतीत में भी कई बार राष्ट्रीय हितों के चलते चुप्पी साधी है, जैसे 1956 में हंगरी या 1979 में अफगानिस्तान में सोवियत हस्तक्षेप के दौरान। उन्होंने खाड़ी क्षेत्र की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि वहां 90 लाख भारतीय कार्यरत हैं और हमारा 200 अरब डॉलर का व्यापार उसी क्षेत्र पर निर्भर है। ऐसे में किसी एक पक्ष के खिलाफ कड़ा सार्वजनिक रुख अपनाना भारत की ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकता है। सांसद थरूर ने यह भी रेखांकित किया कि मौजूदा वैश्विक हालातों और अमेरिका के साथ रक्षा व तकनीकी साझेदारी को देखते हुए भारत का संयम ही उसकी असली ताकत है। उन्होंने कहा कि चुप्पी का मतलब युद्ध का समर्थन करना नहीं, बल्कि अनावश्यक टकराव से बचते हुए कूटनीतिक संवाद के रास्ते खुले रखना है।

नौसेना अलर्ट, भारत ने ऊर्जा सुरक्षा के लिए खाड़ी क्षेत्र में युद्धपोतों की तैनाती बढ़ाई

नई दिल्ली(एजेंसी)। पश्चिम एशिया में गहराते सैन्य संकट और युद्ध के बीच वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माने जाने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव चरम पर पहुंच गया है। इस संवेदनशील समुद्री मार्ग पर बढ़ते खतरों को देखते हुए भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। भारतीय नौसेना ने खाड़ी क्षेत्र में अपने युद्धपोतों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है, ताकि कच्चे तेल और गैस लेकर आने वाले भारतीय जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया जा सके।

रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस जलमार्ग के एक तरफ फारस की खाड़ी और दूसरी ओर ओमान की खाड़ी स्थित है। भारत अपनी तेल और गैस की जरूरतों के लिए कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों पर निर्भर है, जिनके टैंकर इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। वर्तमान में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते टकराव के कारण इस मार्ग पर आवाजाही लगभग ठप हो गई है, जिससे भारत के करीब 22 व्यापारिक जहाज वहां फंसे हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नौसेना ने वहां मौजूद तीन युद्धपोतों के साथ अतिरिक्त जहाजों को तैनात करने का निर्णय लिया है, जिससे कुल संख्या छह से सात तक हो जाएगी। भारतीय नौसेना यह मिशन ऑपरेशन संकल्प के तहत चला रही है। इस अभियान की शुरुआत वर्ष 2019 में समुद्री सुरक्षा और भारतीय व्यापारिक जहाजों में भरोसा बनाए रखने के उद्देश्य से की गई थी। नौसेना की इस मुस्तैदी का सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिला है। हाल ही में शिवालिक और नंदा देवी नामक दो एलपीजी जहाजों को करीब 92,712 मीट्रिक टन गैस के साथ सुरक्षित भारतीय तटों तक पहुँचाया गया है। इसके अलावा, एक भारतीय युद्धपोत ने हाल ही में यूएई के फुजैरा पोर्ट से निकले तेल टैंकर को एस्कॉर्ट कर सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराया। उल्लेखनीय है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से वैश्विक कच्चे तेल की लगभग 20 प्रतिशत आपूर्ति होती है। ऐसे में भारत की यह सैन्य तैनाती न केवल राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अनिवार्य है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मार्गों में स्थिरता बनाए रखने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। नौसेना अदन की खाड़ी में भी 2008 से लगातार एंटी-पायरेसी मिशन चला रही है, जो समुद्र में भारत की बढ़ती शक्ति और जिम्मेदारी को दर्शाता है।

15 अप्रैल तक बन सकती है बिहार में नई सरकार, नीतीश कुमार यात्रा खत्म होते ही देंगे इस्तीफा

-बिहार का सीएम बीजेपी से ही होगा! शाह और केंद्रीय नेताओं की पसंद सम्राट चौधरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीतीश कुमार के राज्यसभा का सदस्य निर्वाचित होते ही सीएम पद से उनके इस्तीफे का काउंट डाउन शुरू हो गया है। उनके इस्तीफे की तारीख का अनुमान भी लोग लगाने लगे हैं। सीएम पद छोड़ने में थोड़ा वक्त लग सकता है लेकिन इतना तय है कि 15 अप्रैल तक वे सीएम पद से भी इस्तीफा दे देंगे। जन प्रतिनिधित्व कानून के मुताबिक कोई व्यक्ति एक साथ दो सदनों का सदस्य नहीं रह सकता। एक सदन का सदस्य रहते कोई दूसरे सदन का सदस्य निर्वाचित होता है तो उसे एक सदन से 14 दिनों के अंदर इस्तीफा देना होता है।

नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए 16 मार्च को निर्वाचित हुए हैं। वे किस सदन का सदस्य रहेंगे, अब उन्हें तय करना है लेकिन हर हाल में उन्हें 14 दिनों के अंदर ही यह फैसला करना होगा। नीतीश के संदर्भ में वह तारीख 30 मार्च होगी। वे पहले से बिहार विधान परिषद के सदस्य हैं। अनुमान है कि नीतीश अपनी चल रही समृद्धि यात्रा खत्म होते ही इस्तीफा दे देंगे। हालांकि वे चाहें तो विधान परिषद से इस्तीफे के बाद भी 6 महीने तक सीएम पद पर बने रह सकते हैं। नीतीश के सीएम पद छोड़ने पर बीजेपी से नया सीएम बनना तय है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिहार में बीजेपी का सीएम बनना ऐतिहासिक पल होगा। बिहार में पहली बार बीजेपी का नेता सीएम बनेगा। बीजेपी की सालों पुरानी मुराद अब पूरी होने जा रही है। 2005 से नीतीश कुमार की अगुवाई में एनडीए सरकार चल रही है, मुख्यमंत्री हमेशा जेडीयू से ही रहा है। बीजेपी दो मौकों पर सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद सीएम पद से वंचित रही। अब नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले के साथ बीजेपी का यह लंबा इंतजार खत्म होने वाला है। 2020 में बीजेपी विधायकों की संख्या जेडीयू से ज्यादा थी। तब भी सीएम नीतीश कुमार ही बने थे। तब बीजेपी के 80 तो जेडीयू के 43 विधायक थे। 2025 में भी बीजेपी ने दूसरी बार जेडीयू से ज्यादा सीटें जीतीं। इसके बावजूद गठबंधन की शर्तों के मुताबिक बीजेपी ने सीएम की कुर्सी जेडीयू को ही सोंप दी। नीतीश ने 10वीं बार सीएम पद की शपथ ली। अब चूंकि नीतीश राज्यसभा के लिए चुन लिए गए हैं, इसलिए बीजेपी का सीएम बनना तय है।

बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व चाहता है कि नीतीश कुमार पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव शुरू होने के पहले सीएम की कुर्सी छोड़ दें। बिहार में बीजेपी का मुख्यमंत्री बनना पार्टी के लिए बंगाल में मनोबल बढ़ाने वाला होगा। बंगाल में बीजेपी पिछड़ा और अन्य वर्गों को साधने की कोशिश कर रही है, पिछड़े वर्ग के नेता का सीएम बनने बंगाल में भी संदेश जाएगा। नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना और बीजेपी का सीएम बनना एनडीए की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। वहीं विपक्षी महागठबंधन इसे बीजेपी की साजिश बता रहा है, लेकिन एनडीए इसे विकास और स्थिरता का प्रतीक मान रहा है।

नीतीश के इस्तीफे के बाद सीएम की रेस में कई नाम चर्चा में हैं। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय भी पिछड़ा वर्ग से आते हैं। यादव समाज की 14 फीसदी आबादी को देखते हुए उनके नाम की चर्चा हो रही है। वे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के विश्वासपात्र भी माने जाते हैं। उन्हें सीएम बनाया जाता है तो वे आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की काट साबित होंगे। उनके अलावा पिछड़े वर्ग से आने वाले दिलीप जायसवाल के नाम की भी चर्चा है। बीजेपी ने अगर सवर्ण समाज से किसी को सीएम की कुर्सी सौंपने का मन बनाया तो विजय सिन्हा का नाम भी हो सकता है। वे अभी डेप्युटी सीएम हैं। इन सभी नामों के अलावा डेप्युटी सीएम सम्राट चौधरी का नाम सबसे अधिक चर्चा में है।

सम्राट चौधरी के नाम पर भाजपा में सहमति बनने की संभावना अधिक दिख रही है। बीजेपी ने उन्हें ओबीसी चेहरा बना कर पेश किया है, जो बिहार की जातीय समीकरण में अहम है। नीतीश कुमार के ईबीसी और दलित वोट बैंक को बनाए रखने के लिए सम्राट जैसे नेता की ही जरूरत है। अमित शाह और अन्य केंद्रीय नेताओं की पसंद भी सम्राट चौधरी ही हैं।

राजनीतिक गलियारे में यह चर्चा जोरों पर है कि 15 अप्रैल के पहले बिहार में नई सरकार बन जाएगी। बंगाल में उसके बाद विधानसभा के चुनाव शुरू होंगे। बंगाल की जनता को साधने के लिए बीजेपी ने पहले नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया है। बंगाल में कायस्थ इंटलेक्चुअल समाज का हिस्सा माने जाते हैं। नबीन कायस्थ बिरादरी से ही आते हैं। बंगाल के पिछड़े वोटरों को ध्यान में रख कर बीजेपी सम्राट के जरिए संदेश देना चाहेगी कि वह उनकी हितैषी है। बीजेपी का जोर युवा नेतृत्व पर भी बढ़ा है।

गौरैया का कलरव एवं ऊर्जा का खत्म होना बड़ी चुनौती

विश्व गौरैया दिवस

ललित गर्ग

विश्व गौरैया दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम अपने भीतर झांकें और यह सोचें कि हम प्रकृति के प्रति कितने जिम्मेदार हैं। यह दिन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक संकल्प का दिन होना चाहिए-एक ऐसा संकल्प, जिसमें हर व्यक्ति यह निश्चय करे कि वह अपने स्तर पर प्रकृति और जीवों की रक्षा के लिए प्रयास करेगा। यदि हर घर एक छोटा-सा आश्रय बन जाए, हर आंगन में दाना-पानी की व्यवस्था हो जाए और हर मन में संवेदनशीलता जाग जाए, तो गौरैया फिर से लौट सकती है।

एक समय था जब सुबह की शुरूआत घर-आंगन में चहकती गौरैया की मधुर ध्वनि से होती थी। यह नन्हीं चिड़िया केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि हमारे जीवन, संस्कृति और संवेदनाओं का अभिन्न हिस्सा थी। बच्चों के बचपन की साथी, घरों की रौनक और प्रकृति की जीवंतता का प्रतीक-वही गौरैया आज हमारे आसपास से लगभग लुप्त होती जा रही है। यह केवल एक पक्षी के कम होने की कहानी नहीं, बल्कि मानव और प्रकृति के बीच बिगड़ते संतुलन का संकेत है। विश्व गौरैया दिवस हर वर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है, ताकि इस छोटी-सी चिड़िया के संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक किया जा सके। वर्ष 2026 की थीम व्यापक रूप से 'मानव और प्रकृति का सह-अस्तित्व' की भावना को आगे बढ़ाने वाली मानी जा रही है, जो यह संदेश देती है कि यदि हम प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर नहीं चलेंगे, तो न केवल गौरैया, बल्कि पूरा पारिस्थितिकी तंत्र संकट में पड़ जाएगा। गौरैया का जीवन मनुष्य के बेहद करीब रहा है। उसने हमारे घरों की छतों, खिड़कियों, रोशनदानों और पेड़ों पर अपने घोंसले बनाए। वह हमारी दिनचर्या का हिस्सा बनी रही। लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ ने उसे धीरे-धीरे उसके आश्रयों से बेदखल कर दिया। आज कंक्रीट के जंगलों में न तो उसके लिए घोंसले बनाने की जगह बची है और न ही उसके भोजन के स्रोत। गौरैया की घटती संख्या के पीछे कई कारण हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है बदलती जीवनशैली। पहले घरों में खुले स्थान होते थे, मिट्टी के आंगन होते थे, छतों पर अनाज सुखाया जाता था और पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था स्वाभाविक रूप से होती थी। आज सब कुछ बंद कमरों और चमचमाती इमारतों में सिमट गया है। इससे गौरैया का प्राकृतिक निवास समाप्त हो गया है। इसके साथ ही कीटनाशकों और रासायनिक पदार्थों का अत्यधिक उपयोग भी एक बड़ा कारण है। गौरैया के बच्चे प्रारंभिक दिनों में कीट-पतंगों पर निर्भर रहते हैं, लेकिन आधुनिक खेती और बागवानी में रसायनों के बढ़ते उपयोग ने इन कीटों को ही समाप्त कर दिया है। परिणामस्वरूप गौरैया के बच्चों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाता और उनका जीवन खतरे में पड़ जाता है। मोबाइल

टावरों से निकलने वाली सूक्ष्म तरंगों को भी गौरैया के लिए हानिकारक माना जाता है। ये तरंगें उनके नेविगेशन और प्रजनन क्षमता को प्रभावित करती हैं। यद्यपि इस पर वैज्ञानिक शोध अभी जारी हैं, लेकिन यह निश्चित है कि बढ़ता तकनीकी प्रदूषण पर्यावरण के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। जलवायु परिवर्तन भी गौरैया के अस्तित्व पर गहरा प्रभाव डाल रहा है। असमय वर्षा, अत्यधिक तापमान और मौसम के अनियमित बदलाव उनके जीवन चक्र को बाधित कर रहे हैं। इससे उनके प्रजनन और जीवन की स्थिरता प्रभावित होती है।

गौरैया का संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनहीनता का भी परिणाम है। हम धीरे-धीरे प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। हमारी प्राथमिकताएं बदल गई हैं और हमने अपने आसपास के जीवों के प्रति संवेदनशीलता खो दी है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि जब मनुष्य प्रकृति से कटता है, तो उसका अपना अस्तित्व भी संकट में पड़ जाता है। गौरैया का संरक्षण केवल एक पक्षी को बचाने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह हमारे पर्यावरण, हमारी संस्कृति और हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है। इसके लिए हमें छोटे-छोटे लेकिन प्रभावी कदम उठाने होंगे। सबसे पहले हमें अपने घरों और आसपास ऐसे स्थान बनाने होंगे, जहां गौरैया आसानी से घोंसला बना सके। आज बाजार में कृत्रिम घोंसले उपलब्ध हैं, जिन्हें घरों की बालकनी, दीवारों या पेड़ों पर लगाया जा सकता है। इसके साथ ही हमें नियमित रूप से दाना और पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। यह एक छोटी-सी पहल है, लेकिन इसका प्रभाव बहुत बड़ा हो सकता है। हमें अपने बगीचों और आसपास के क्षेत्रों में देशी पौधों को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि कीट-पतंगों की संख्या बढ़े और गौरैया को प्राकृतिक भोजन मिल सके। जैविक खेती और रसायनों के कम उपयोग को अपनाकर भी हम इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। बच्चों में भी प्रकृति के प्रति प्रेम और संवेदनशीलता विकसित करना आवश्यक है। उन्हें यह समझाना होगा कि पक्षी केवल देखने की वस्तु नहीं, बल्कि हमारे जीवन के साथी हैं। यदि बचपन से ही यह भावना विकसित होगी, तो भविष्य में एक जागरूक और जिम्मेदार समाज का निर्माण संभव होगा। सरकार और सामाजिक संस्थाओं को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। पक्षियों के संरक्षण के लिए ठोस नीतियां बनानी होंगी, शोध को बढ़ावा देना होगा और जन-जागरूकता अभियानों को व्यापक बनाना होगा। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक मंचों पर इस विषय को प्रमुखता से उठाना होगा। गौरैया हमें यह सिखाती है कि जीवन में सरलता, सामंजस्य और संतुलन कितना महत्वपूर्ण है। वह बिना किसी शोर-शराबे के अपने अस्तित्व को बनाए रखने की कोशिश करती है। लेकिन जब उसका अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाए, तो यह हमारे लिए चेतावनी है कि हमने कहीं न कहीं प्रकृति के साथ अन्याय किया है। आज आवश्यकता है कि हम अपनी सोच को बदलें। हम यह समझें कि यह धरती केवल हमारी नहीं है। यह सभी जीवों की साझी धरोहर है। यदि हम इसे केवल अपने स्वार्थ के लिए उपयोग करेंगे, तो एक दिन ऐसा आएगा जब हमारे पास कुछ भी शेष नहीं रहेगा।

विश्व गौरैया दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम अपने भीतर झांकें और यह सोचें कि हम प्रकृति के प्रति कितने जिम्मेदार हैं। यह दिन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक संकल्प का दिन होना चाहिए-एक ऐसा संकल्प, जिसमें हर व्यक्ति यह निश्चय करे कि वह अपने स्तर पर प्रकृति और जीवों की रक्षा के लिए प्रयास करेगा। यदि हर घर एक छोटा-सा आश्रय बन जाए, हर आंगन में दाना-पानी की व्यवस्था हो जाए और हर मन में संवेदनशीलता जाग जाए, तो गौरैया फिर से लौट सकती है। उसकी चहचहाहट फिर से हमारे जीवन में खुशियां भर सकती है। अंततः, गौरैया को बचाना हमारे अपने अस्तित्व को बचाना है। यह एक छोटा-सा कदम है, लेकिन इसके पीछे छिपा संदेश बहुत बड़ा है-प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर ही मानव जीवन सुरक्षित और सुखद हो सकता है। अब समय आ गया है कि हम जागें, समझें और अपने कर्तव्य का निर्वहन करें, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी गौरैया की मधुर चहचहाहट को सुन सकें और प्रकृति की इस अनमोल धरोहर को सहेज सकें।

संपादकीय

बेरोजगार स्नातक

सरकारी नौकरियों की घटती संख्या, निजी क्षेत्र की जरूरतों में बदलाव, बढ़ती आबादी तथा रोजगारपरक शिक्षा के अभाव में देश में रोजगार के अवसर कम हुए हैं। कहा जाने लगा है कि अब केवल शिक्षा ही रोजगार की गारंटी नहीं रह गई है। हाल के कुछ सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करते हैं। पिछले दिनों इस कटु सत्य को बयां करती ह्यस्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2026ह्ण रिपोर्ट आई है। रिपोर्ट बताती है कि देश में चालीस प्रतिशत युवा स्नातकों को बेरोजगार रहना पड़ता है। साथ ही उनमें से केवल सात फीसदी को ही एक वर्ष के भीतर स्थिर वेतन वाली नौकरियां मिल पाती हैं। निस्संदेह, हाल ही में सामने आए ये आंकड़े देश में रोजगार सृजन और उच्च शिक्षा तक पहुंच के बीच के असंतुलन को ही उजागर करते हैं। उल्लेखनीय है कि अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्येक वर्ष करीब पचास लाख स्नातक देश के कार्यबल में प्रवेश करते हैं। लेकिन उनमें से मुश्किल से आधे ही रोजगार पा सकते हैं। इसके साथ ही उन्हें कम सुरक्षित व कम वेतन वाली नौकरियां ही मिलती हैं। निश्चय ही दुनिया की सबसे अधिक युवा आबादी वाले देश के लिये यह सुखद संकेत नहीं कहा सकता है। अन्य शब्दों में कहें तो स्नातक होने और रोजगार के अवसरों के बीच व्याप्त असंतुलन के चलते भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश के कालांतर जनसांख्यिकीय दायित्व में तब्दील होने का खतरा पैदा हो रहा है। जिसे देश के नीति-नियंताओं को गंभीरता से लेना चाहिए। विशेषज्ञों का अनुमान है कि देश में कामकाजी उम्र की आबादी के साल 2030 से पहले चरम पर पहुंचने का आकलन है। इस स्थिति में चिंता जतायी जा रही है कि देश में युवा ऊर्जा के सदुपयोग करने का अवसर तेजी से कम होता जा रहा है। निर्विवाद रूप से यदि भविष्य में पर्याप्त और लाभकारी रोजगार के अवसर पैदा नहीं किए जाते हैं तो देश में बेरोजगारी बढ़ने से युवाओं के कुंठित होने का खतरा पैदा हो सकता है। वहीं दूसरी ओर भारतीय रोजगार परिदृश्य पर नजर रखने वाले विशेषज्ञ चिंता जता रहे हैं कि देश को शिक्षित युवाओं में लगातार बढ़ती निराशा, स्थिर आय और धीमी आर्थिक गतिशीलता जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वास्तव में यहां प्रश्न केवल संख्या का ही नहीं है वरन यह रोजगार की गुणवत्ता का भी सवाल है। देश में कई स्नातक ऐसे संस्थानों से निकलते हैं, जो शिक्षकों की कमी, पुराने पाठ्यक्रम और कमजोर उद्योग संबंधों जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। विडंबना यह भी है कि देश में कुशल श्रम को रोजगार देने में सक्षम क्षेत्र, मसलन विनिर्माण और उच्च मूल्य वाली सेवाएं पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हुई हैं। इसका परिणाम यह है कि डिग्री की संख्या रोजगार बाजार में मांग की संख्या के अनुपात में कहीं अधिक है। वहीं दूसरी ओर, निर्विवाद रूप से देश के रोजगार बाजार में सकारात्मक रूप से भी प्रगति के संकेत मिल रहे हैं। जाति और लिंग से जुड़ी व्यावसायिक बाधाएं धीरे-धीरे कम हो रही हैं। हालांकि, रोजगार सृजन में समांतर वृद्धि के बिना ये उपलब्धियां महत्वहीन ही होंगी। यह भी हकीकत है कि मौजूदा परिदृश्य में देश को नामांकन बढ़ाने की प्राथमिकता से हटकर रोजगार क्षमता बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा।

चिंतन-मनन

कैसे जानेंगे कि आप ताकतवर हैं या कमज़ोर

हमलोगों में एक बड़ी ही अजीब बात है अगर सामने वाला अपने से कमजोर दिखता है तो हम उसकी छोटी सी गलती पर भी भड़क उठते हैं और मार-पीट करने तक के लिए तैयार हो जाते हैं। इसके उलट अगर सामने वाला ताकतवर है तो उसकी बड़ी गलती पर भी खामोश रह जाते हैं। इसकी वजह है हमारी कमजोरी। हम अपनी कमजोरी को छुपाने के लिए ही कमजोर के सामने अपनी ताकत की नुमाईश करते हैं। तकतवर तो वह होता है जो अपनी शक्ति का प्रयोग कमजोर पर नहीं करता है।

इस संदर्भ में एक कथा उल्लेखनीय है। गुरू गोविंद सिंह जी का एक शिष्य था। एक बार वह गुरू जी के पास आकार बोला कि, आज मार्ग में एक दुबले-पतले व्यक्ति ने मेरा अपमान किया। इस पर मैंने उसकी खूब पिटाई की। गुरू जी ने कहा, यह तो तुमने बहुत ही गलत किया। कुछ दिनों बाद वही शिष्य गुरू जी के पास आया और बोला आज एक व्यक्ति ने फिर मेरा अपमान किया, लेकिन मैंने उसे कुछ नहीं कहा।

गुरू जी ने पूछा, वह व्यक्ति कैसा था। शिष्य ने जवाब दिया, काफी हट्टा-कट्टा और तंदुरूस्त था। गुरू गोविंद सिंह जी ने कहा कि, तुमने बहुत ही गलत किया जो उसे अपमान का उत्तर नहीं दिया। गुरू का उत्तर सुनकर शिष्य बड़ा हैरान हुआ और कहा कि, पिछली बार जब मैंने अपमान करने वाले की पिटाई की तब भी आपने मुझे गलत कहा था और इस बार जब मैंने अपमान का कोई उत्तर नहीं दिया तब भी आप मुझे गलत कह रहे हैं। आखिर मुझे करना क्या चाहिए? गुरू जी ने शिष्य को समझाया, पिछली बार तुमने एक कमजोर व्यक्ति की पिटाई की थी। इस बार तुम्हारा अपमान एक सबल व्यक्ति ने किया था। तकतवर व्यक्ति की पहचान यही है कि, वह कमजोर पर हाथ न उठाए और सबल व्यक्ति के द्वार किये गये अपमान को सहन न करे। इस बार तुमने एक सबल व्यक्ति द्वारा किये गये अपमान को सहन कर लिया है इसलिए मैंने तुम्हें गलत कहा है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

ईरानी नेताओं की शहादत अब करो या मरो?

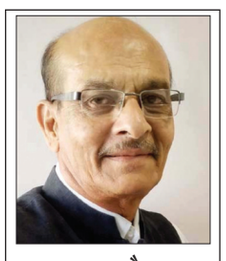

सनत जैन

रमजान के पवित्र महीने में जिस तरह से अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया इस हमले में सेकड़ो बच्चियों की मौत हो गई, ईरान के सुप्रीमो अयातुल्लाह खामेनेई सहित प्रथम पंक्ति के सैकड़ों नेताओं को मारकर जिस तरह से ईरान में तख्ता पलट कराने का जो प्रयास था वह पूरी तरह से विफल हो गया है। ईरान में मोसाद की उपस्थिति ने ईरान के नेताओं को मौत के घाट जरूर उतारा है, लेकिन इसकी प्रतिक्रिया अब दूसरे रूप में देखने को मिल रही है। ईरान में लोग एकजुट होकर इसका विरोध कर रहे हैं। पहली बार यह समझ आ रहा है, ईरान ने अपनी क्रीमी लेयर की जो सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था तैयार की थी इतनी बड़ी संख्या में महत्वपूर्ण व्यक्तियों की मौत हो जाने के बाद भी ईरान कहीं से भी कमजोर नहीं पड़ा है। उल्टे उसके ड्रोन और मिसाइलों ने जिस तरह से अमेरिका और इजरायल के सुरक्षा तंत्र को नुकसान पहुंचाया है इसकी कल्पना

अमेरिका और इजरायल ने कभी नहीं की थी। ड्रोन और ईरान के मिसाइल इतने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा सकते हैं या इतनी बड़ी संख्या में ईरान के पास सैन्य हथियार तकनीकी के साथ उपलब्ध हो सकते हैं इसकी जरा भी जानकारी अमेरिका और इजरायल को होती तो वह ईरान के साथ इस तरह का पंगा नहीं लेते। ईरान ने प्रतिक्रिया स्वरूप पश्चिम एशिया के जिन देशों में अमेरिका के सैन्य अड्डे थे उन्हें नष्ट करने में सफलता हासिल की है। जहां-जहां अमेरिकी सैनिक और दूतावास से उनको नष्ट किया है जिसके कारण अमेरिका को अपने सभी दूतावास बंद करने पड़े। अमेरिकी नौसेना भी कोई कमाल नहीं दिखा सकी उल्टे उनके बड़े-बड़े जहाज पीछे हटने को विवश हुए। अब एक और सबसे बड़ी गलती अमेरिका और इजरायल ने की है। उसने ईरान के गैस एवं पेट्रोल के ठिकानों पर हमला किया है, जिसका जवाब अब ईरान ने देना शुरू कर दिया है। जिसके कारण यह युद्ध अब एक ऐसी दशा में बदल रहा है जिसकी आग में सारी दुनिया के देशों को झुलसना पड़ सकता है। अमेरिका के मित्र देश और नाटो संगठन ने इस युद्ध में उतरने से साफ इनकार कर दिया है। रूस, चीन और उत्तर कोरिया खुलकर ईरान के समर्थन में आकर खड़े हो गए हैं। ईरान अभी तक इस युद्ध में नैतिकता के साथ लड़ाई लड़ रहा था लेकिन अब इस लड़ाई में ईरान भी अपनी नैतिकता छोड़कर अब युद्ध जीतने की लड़ाई लड़ेगा, जिसके कारण यह युद्ध किस रूप में और कहां तक जाएगा इसको लेकर अब तरह-तरह की आशंकाएं सामने आने लगी हैं। दुनिया के सभी देश अपने-अपने क्षेत्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए इस युद्ध से दूर रहते हुए अपनी कूटनीतिक संबंधों को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर सारी दुनिया के देशों को अपने विरोध में खड़ा कर लिया है। जिस तरह से अमेरिका अपना साम्राज्यवाद सारी दुनिया में स्थापित करने का प्रयास कर रहा था उसकी सारी दुनिया के देश विरोध कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप बेहतर राजनेता साबित नहीं हो रहे हैं। उनकी इमेज सारी दुनिया में एक गुंडे के रूप में बन गई है, जिसका खामियाजा अब अमेरिका को भुगतना पड़ेगा। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। इस युद्ध में अमेरिका को जहां आर्थिक रूप से भारी नुकसान हुआ है वहीं सारी दुनिया के देशों से जो संबंध खराब हुए हैं, अमेरिका की विश्वसनीयता खत्म हुई है, उसके दूरगामी परिणाम जल्द ही अमेरिका को भोगने पड सकते हैं। अमेरिका में तो यह चर्चा चल पड़ी है जिस तरह से एपस्टीन फाइल में उनका नाम आ रहा है। जिस तरीके से वह निर्णय ले रहे हैं इतना बड़ा युद्ध उन्होंने बिना कांग्रेस की अनुमति से छेड़ दिया। इसका खामियाजा सबसे पहले डोनाल्ड ट्रंप को ही भुगतना पड़ेगा। इस युद्ध में अमेरिका-इजरायल और ईरान तीनों ही बेलगाम हो चुके हैं। इस युद्ध के परिणाम क्या होंगे इसको लेकर कुछ भी कहना आज की तारीख में बहुत मुश्किल है। ऊर्जा संकट में सारी दुनिया को बड़े संकट में डाल दिया है वहीं आर्थिक मंदी की आशंका से पूरी दुनिया भयाक्रांत है।

बुलेट ट्रेन परियोजना को लगे पंख : गति,समन्वय और आधुनिक शहरी भारत की नई दिशा

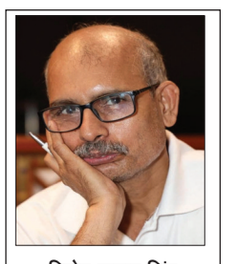

बिनोद कुमार सिंह,

भारत आज उस परिवर्तनशील युग के द्वार पर खड़ा है,जहाँ विकास की परिभाषा निरंतर विस्तार पा रही है।अब विकास केवल सड़कों,पुलों और इमारतों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह गति,तकनीकी दक्षता, समन्वित परिवहन और नागरिक सुविधा के व्यापक अनुभव में रूपांतरित हो चुका है।इस बदलती हुई विकास- व्यवस्था का सबसे सशक्त और सजीव प्रतीक यदि कोई है,तो वह देश की बहुप्रतीक्षित बुलेट ट्रेन परियोजना है,जिसने अब वास्तविक रूप से गति पकड़ ली है और जिसके ह्यपंख लगनेह्ण की अनुभूति देश के हर कोने में महसूस की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की दूरदर्शिता में यह परियोजना केवल एक हाई-स्पीड रेल सेवा नहीं,बल्कि भारत के शहरी और आर्थिक ढाँचे को पुनर्परिभाषित करने वाली एक क्रांतिकारी पहल बनती जा रही है। यह परियोजना उस भारत का निर्माण कर रही है जो समय की गति के साथ चलने के बजाय उसे नई दिशा देने की क्षमता रखता है।

बुलेट ट्रेन परियोजना का मूल उद्देश्य केवल तेज यात्रा उपलब्ध कराना नहीं है,बल्कि एक ऐसे समेकित परिवहन तंत्र का निर्माण करना है जो आधुनिक शहरी जीवन की आवश्यकताओं के अनुरूप हो। यही कारण है कि इस परियोजना में 'मल्टी-मॉडल इंटीग्रेशन' (टटक) को विशेष महत्व दिया गया है।यह अवधारणा भारतीय परिवहन व्यवस्था में एक मौलिक परिवर्तन का संकेत देती है।अब स्टेशन केवल ट्रेन पकड़ने या उतरने का स्थान नहीं रहेंगे,बल्कि वे एक ऐसे समन्वित केंद्र के रूप में विकसित होंगे जहाँ विभिन्न परिवहन साधन–बस,मेट्रो,टैक्सी,निजी वाहन-एक- दूसरे से सहज रूप से जुड़े होंगे।इस नई व्यवस्था का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि यात्रियों को एक माध्यम से दूसरे माध्यम में जाने के लिए अनावश्यक समय और ऊर्जा खर्च नहीं करनी पड़ेगी।यह न केवल यात्रा को सरल बनाएगा,बल्कि शहरों में बढ़ती भीड़,ट्रैफिक जाम और अव्यवस्थित परिवहन की समस्या को भी काफी हद तक नियंत्रित करेगा।स्टेशन परिसरों का विकास जिस आधुनिक दृष्टिकोण से किया जा रहा है,वह भारत में शहरी नियोजन के नए युग की शुरूआत का संकेत है।चौड़े और सुरक्षित फुटपाथ,सुव्यवस्थित पिकअप एवं ड्रॉप- ऑफ जोन, पर्याप्त पार्किंग,डिजिटल साइन सिस्टम,आधुनिक प्रकाश व्यवस्था और सीसीटीवी आधारित सुरक्षा तंत्र-ये सभी तत्व मिलकर एक ऐसा परिवेश तैयार कर रहे हैं जो न केवल सुरक्षित है,बल्कि यात्रियों के लिए अत्यंत सुविधाजनक और आकर्षक भी है।इसके साथ ही, पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए लैंडस्केपिंग,हरित क्षेत्र और वृक्षारोपण को भी विशेष महत्व दिया जा रहा है।जो दर्शाता है कि यह परियोजना केवल आधुनिकता की ओर अग्रसर नहीं है,बल्कि सतत विकास के सिद्धांतों को भी समान रूप से अपनाती है।

यदि हम इस परियोजना की वर्तमान प्रगति पर दृष्टि डालें,तो स्पष्ट होता है कि यह केवल एक कल्पना नहीं,बल्कि तेजी से साकार होती हुई वास्तविकता है। सूरतबुलेट ट्रेन स्टेशन इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है,जहाँ स्टील संरचना और रूफ शीटिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है और अब फिनिशिंग कार्य तीव्र गति से चल रहा है।प्लेटफॉर्म और कॉन्कोर्स क्षेत्रों में आंतरिक सज्जा का कार्य यह संकेत देता है कि यह स्टेशन शीघ्र ही अपने अंतिम स्वरूप में दिखाई देगा।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में दी गई जानकारी में इस परियोजना की प्रगति को विस्तार से रखते हुए बताया कि मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर पर कार्य अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है। 300 किलोमीटर से अधिक वायाडक्ट का निर्माण पूरा हो चुका है,जबकि पिलर निर्माण,ट्रैक बिछाने और स्टेशन विकास का कार्य लगातार जारी है।यह उपलब्धि न केवल इंजीनियरिंग क्षमता का परिचायक है,बल्कि भारत की कार्यान्वयन दक्षता को भी प्रदर्शित करती है।इस परियोजना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण पहलू है-भारत की पहली अंडरसी रेल सुरंग का निर्माण।यह सुरंग न केवल तकनीकी नवाचार का उदाहरण है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि भारत अब अत्याधुनिक इंजीनियरिंग परियोजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने की क्षमता रखता है।स्टेशन निर्माण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हो रही है।वापी, बिलिमोरा,सूरत और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (इङउ) जैसे प्रमुख स्टेशन तेजी से पूर्णता की ओर अग्रसर हैं।बिलिमोरा स्टेशन पर संरचनात्मक कार्य लगभग पूरा हो चुका है और अब इसे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है।आनंद स्टेशन पर लिफ्ट और एस्केलेटर की स्थापना यह दर्शाती है कि यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।वडोदरा,भरूच और वापी जैसे स्टेशनों पर भी निर्माण कार्य विभिन्न चरणों में प्रगति पर है।यह समग्र विकास इस बात का प्रमाण है कि यह परियोजना केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है,बल्कि क्षेत्रीय संतुलन और व्यापक विकास को भी ध्यान में रखकर आगे बढ़ाई जा रही है।

केंद्रीय रेलमंत्री द्वारा संसद में दी जानकारी के अनुसार मुंबई उपनगरीय नेटवर्क को सुदृढ़ करने के लिए 238 नई ट्रेनों का निर्माण किया जा रहा है,जिनमें ऑटोमैटिक डोर क्लोजिंग सिस्टम जैसी आधुनिक सुविधाएँ होंगी।इसके अतिरिक्त, यात्रियों को राहत देने के लिए लगभग 3,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जा रही है।सरकार ने उच्च तकनीकी परियोजनाओं के साथ-साथ आम नागरिकों की दैनिक यात्रा सुविधाओं को भी उतना ही महत्व दे रही है।बुलेट ट्रेन परियोजना का प्रभाव केवल परिवहन तक सीमित नहीं है,बल्कि यह आर्थिक और सामाजिक विकास के नए द्वार भी खोल रही है।स्टेशन क्षेत्रों के आसपास व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि,नए रोजगार के अवसरों का सृजन और रियल एस्टेट के विकास जैसे कई सकारात्मक परिवर्तन इस परियोजना के प्रत्यक्ष परिणाम हैं।

इसके साथ ही,सीमावर्ती क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए नए रेल मार्गों के सर्वे भी किए जा रहे हैं। कच्छ क्षेत्र में देशलपार से हाजीपीर और वायोर से लखपत तक कनेक्टिविटी विकसित करने की योजना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है,जो राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय विकास दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी।आज के समय में जब महानगरों में ट्रैफिक जाम,प्रदूषण और अव्यवस्थित परिवहन जैसी समस्याएँ गंभीर चुनौती बन चुकी हैं, ऐसे में बुलेट ट्रेन परियोजना एक आशा की किरण के रूप में सामने आती है।यह न केवल यात्रा को तेज और सुरक्षित बनाएगी,बल्कि ईंधन की खपत को कम कर पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी।

जब विभिन्न परिवहन साधनों को एकीकृत किया जाता है,तो वह केवल सुविधा ही नहीं बढ़ाता, बल्कि शहरों के समग्र विकास को भी गति देता है।यही कारण है कि बुलेट ट्रेन परियोजना को केवल एक परिवहन परियोजना के रूप में नहीं देखा जा सकता,बल्कि यह एक व्यापक शहरी परिवर्तन का माध्यम है।अगर संक्षेप में कहा जाए तो बुलेट ट्रेन परियोजना आधुनिक भारत के सपनों का साकार रूप है।यह उस भारत की झलक प्रस्तुत करती है जो तेज व तकनीकी रूप से सक्षम और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील है।भविष्य में जब ये स्टेशन पूरी तरह विकसित होकर कार्य करने लगेंगे,तब वे केवल यात्रा के केंद्र नहीं,बल्कि आधुनिक जीवनशैली के प्रतीक बनकर उभरेंगे।वास्तव में,बुलेट ट्रेन आधुनिक भारत को गति देने के साथ-साथ शहरी विकास की एक नई दिशा भी निर्धारित कर रही है-एक ऐसी दिशा,जो भविष्य के भारत को वैश्विक मंच पर और अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाएगी।

अमरोहा
शुक्रवार 20 मार्च 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

गौशालाओं की बेहतर निगरानी के लिए स्थापित सेन्ट्रल सीसीटीवी कंट्रोल रूम का डीएम ने किया उद्घाटन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में गौवंश की सुरक्षा और देखभाल को और मजबूत बनाने के लिए आज विकास भवन स्थित मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में सेंट्रल सीसीटीवी कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया गया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने फीता काटकर इस कंट्रोल रूम का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र मौजूद रहे। इस कंट्रोल रूम में जनपद के सभी गौ आश्रय स्थलों के कैमरे सीधे जुड़े हुए हैं। यहां से गौवंश की स्थिति पर नजर रखी जा सकती है। साथ ही गौशालाओं में तैनात कर्मचारियों और केयरटेकर्स की उपस्थिति एवं कार्यप्रणाली पर भी कड़ी निगरानी

संभव हो सकेगी। उद्घाटन के बाद जिलाधिकारी ने सभी गौ आश्रय स्थलों में लगे कैमरों की संख्या, डीवीआर की स्टोरेज क्षमता, इंटरनेट कनेक्टिविटी और बिजली बैकअप की व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही गौशालाओं की पूरी तकनीकी व्यवस्था का दायित्व खंड विकास अधिकारियों पर होगा, जबकि नगर क्षेत्र की गौशालाओं की जिम्मेदारी संबंधित अधिशासी अधिकारियों की होगी। जिलाधिकारी ने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि इंटरनेट का रिचार्ज एक वर्ष के लिए एक साथ कर लिया जाए, बिजली की निर्बाध आपूर्ति के लिए यूपीएस, इनवर्टर और बैटरी की उचित व्यवस्था हो, ताकि कंट्रोल रूम से निगरानी कभी बाधित न हो। कैमरों की सुरक्षा और रखरखाव का दायित्व भी संबंधित अधिकारी ही निभाएंगे। कंट्रोल रूम से कान्हा गौशाला हसनपुर में कैमरे ऐसे लगाए गए हैं कि गौवंश दिखाई नहीं दे रहे थे,
इस पर डीएम ने ईओ हसनपुर को तुरंत इसे ठीक करने का निर्देश दिया। इसके अलावा जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रतिदिन एक बार सभी केयरटेकर्स की उपस्थिति कंट्रोल रूम के माध्यम से जरूर जांच ली जाए। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा दत्त, उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. चमन प्रकाश, अतुल गुप्ता, राकेश, ऋषभ, अरकान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। यह व्यवस्था जनपद में गौ संरक्षण और उनकी निरंतर निगरानी को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पुलिस कार्यालय सभागार में व्यापारी सुरक्षा को लेकर गोष्ठी आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस कार्यालय सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया ने व्यापारी सुरक्षा फोरम संगठन के पदाधिकारियों के साथ गोष्ठी आयोजित की। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों से सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में वार्ता की और उनकी समस्याओं को सुना।
भदौरिया ने व्यापारियों को सुरक्षा का आश्वासन देते हुए कहा कि उनकी समस्याओं का त्वरित और प्रभावी निराकरण किया जाएगा। उन्होंने व्यापारियों को ऑरेशन त्रिनेत्र के तहत सुरक्षा की दृष्टि से अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, प्रकाश की व्यवस्था रखने, और आपसी सहयोग से मार्केट में सुरक्षा गार्ड/चौकीदार रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा, उन्होंने यातायात के सुचारू रूप से संचालन और जाम

की समस्या के निराकरण के लिए व्यापारियों से सड़क पर अतिक्रमण न करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल यातायात सुचारू रहेगा, बल्कि व्यापारियों को भी लाभ होगा। गोष्ठी के दौरान, भदौरिया ने व्यापारियों को साइबर अपराध और साइबर ठगी के संबंध में भी जागरूक किया और बचने के उपायों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध से बचने के लिए व्यापारियों को अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और अपने कर्मचारियों को साइबर अपराध के बारे में जागरूक करने की आवश्यकता है इस अवसर पर व्यापारी सुरक्षा फोरम संगठन के पदाधिकारी और व्यापारी मौजूद रहे।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा युवक को 24 घंटे के अंदर पुलिस ने किया सकुशल बरामद

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना रहरा पुलिस ने गुमशुदा युवक को 24 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और संवेदनशील प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा हो रही है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज त्यागी के मार्गदर्शन और थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुमशुदा

युवक प्रिंस (19 वर्ष), पुत्र राजपाल, निवासी ग्राम रहरा को सकुशल बरामद किया। 17 मार्च को शाम लगभग 6:30 बजे प्रिंस बिना बताए घर से चला गया था। परिजनों द्वारा काफी तलाश के बाद भी पता न चलने पर 18 मार्च को थाना रहरा में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए थानाध्यक्ष ने दो पुलिस टीमें गठित कीं। ऑपरेशन त्रिनेत्र के अंतर्गत सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और मुख्य तिराहों, चौराहों, बाजारों, रेलवे स्टेशन, टैम्पू व बस स्टैण्ड आदि स्थानों पर युवक का फोटो दिखाकर सघन खोजबीन की गई। काफी प्रयासों के बाद पुलिस ने प्रिंस को सकुशल खोज निकाला और परिजनों को सौंप दिया। जिसे परिजनों में खुशी की लहर दौड़ गई।

सनातन नव वर्ष, वर्ष प्रतिपदा पर राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकताओं ने किया गोष्ठी का आयोजन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम शकरौली में शिवमन्दिर परिसर में राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकताओं की गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर धूमधाम से सनातन नव वर्ष,वर्ष प्रतिपदा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर धर्म स्थलों से जुड़ने,राष्ट्र सेवा और नशा मुक्ति का भी संकल्प लिया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों और भारी संख्या में ग्रामीणों ने शिरकत की। समारोह का मुख्य उद्देश्य समाज में जातिवाद दूर करके भाईचारे को बढ़ावा देना और भारतीय संस्कृति के मूल मूल्यों को पुनर्जीवित करते हुए सूने पड़े धर्म स्थलों पर नियमित पूजा साधना उपासना शुरू करना

रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में सर्व प्रथम उपस्थित क्षेत्र वासियों को सनातन नव वर्ष, वर्ष प्रतिपदा,नवसंवत्सर2083 की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन केवल कलेंडर बदलने का दिन नहीं है बल्कि यह प्रकृति के नए सृजन का उत्सव है इस समय मौसम सुहाना होता है पेड़ो पर नई पत्तियां आती हैं । यह अवसर हमें नागरिक कर्तव्यों, राष्ट्र की एकता और जातिवाद आदि भेदभावों को दूर करके अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित करता है।
इस अवसर पर उपस्थित शांतिकुंज हरिद्वार के परिवराजक सतीश कुमार त्यागी ने उपस्थित युवाओं और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में बिना साधना उपासना अपनाए जीवन में शान्ति संभव नहीं है । उन्होंने समाज से अपील की कि वे नशे जैसी कुरीतियों को त्यागकर स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में योगदान दें।कार्यक्रम की अध्यक्षता समरपाल सिंह एवं संचालन हरिराज सिंह ने किया। इस अवसर पर मोनू अग्रवाल,मुकेश सिंह, हरचरन सिंह , नेपाल,रामकुंवर, कुंवर पाल, फूल सिंह, सचिन, अंकुर, महेश खड़गवंशी, अजय पाल सिंह आदि मौजूद रहे।

सीडीओ की अध्यक्षता में आयोजित किया गया किसान दिवस

अमरोहा (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार में ह्लकिसान दिवसह्व का आयोजन मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर किसानों ने एक-एक करके बिजली, पानी, सड़क, नलकूप, गन्ना भुगतान आदि सहित अन्य संबंधित शिकायतों को उनके समक्ष रखा। सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।
उन्होंने निर्देश दिए की बैंक से संबंधित किसान भाइयों की जो भी समस्या है उनका निराकरण उचित प्रकार करें। उन्होनें कहा कहा कि जो भी सरकार की कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं उनकी जानकारी किसानों को मिले और उन्हें योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि शासन की मंशा है कि किसानों के समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाये और सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पारदर्शिता के साथ मिलें। कहा कि किसान दिवस में जो आज शिकायत आयी है, उनको पारदर्शिता पूर्वक निस्तारण करें, और सीडीओ ने कहा कि समय रहते कार्य को पूर्ण करें और किसानो को अनावश्यक परेशान न होने पड़े।

किसान दिवस में उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत, सिंचाई, ट्यूबवेल, बैंक, गन्ना विभाग पीडब्ल्यूडी इत्यादि विभाग के कर्मचारी तथा जनपद के विभिन्न किसान संगठनों के पदाधिकारी एवं किसान उपस्थित रहे।

बच्चों की सुरक्षा को लेकर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने दिए सख्त निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने स्कूल प्रबंधकों को बच्चों की सुरक्षा को लेकर सख्त निर्देश दिए।
बैठक में विधायक हरिसिंह ढिल्लों ने कहा कि किसी भी विद्यालय में बिना फिटनेस के वाहन नहीं चलने चाहिए। विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने कहा कि नो-हेलमेट, नो-फ्यूल को शत प्रतिशत लागू किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से कोई भी

खिलवाड़ नहीं चलेगा। सभी विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति के निदेशों का पालन करें। उन्होंने कहा कि अभिभावकों की जिम्मेदारी होगी कि वह अपने बच्चों को प्रेरित करें और छोटे बच्चों को वाहन चलाने से रोकें।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी विद्यालयों में सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन किया जाए। स्कूल वाहन कमेटी की बैठक भी कर ली जाए और रेगुलर होती रहे। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालयों में संचालित वाहनों की फिटनेस ठीक कर ली जाए और चालकों-परिचालकों का चरित्र एवं चालक लाइसेंस की जांच भी कर ली जाए।
इस अवसर पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी महेश कुमार शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद अमरोहा और अन्य संबंधित मौजूद रहे।

ईद व रामनवमी के त्यौहारों के दृष्टिगत गजरौला में पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर कोतवाली में पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद के निर्देश पर गजरौला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने आगामी त्यौहारों ईद उल फितर और रामनवमी को दृष्टिगत रखते हुए नगर में शांति सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को कायम रखने के लिए फ्लैग मार्च किया। इस दौरान गजरौला कस्बे और ग्राम मोहरकापट्टी में एआरएफ पीएससी एवं स्थानीय पुलिस बल साथ रहा जिसने क्षेत्र में शांति सुरक्षा और कानून व्यवस्था का

व्यापक निरीक्षण किया।
बता दें कि गुरुवार को पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद के निर्देशन में यह फ्लैग मार्च जनपद में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में उद्देश्य से किया गया। इस दौरान महत्वपूर्ण स्थानों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों का गहन निरीक्षण किया गया।पुलिस ने स्पष्ट किया कि शांति भंग करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। आमजन से सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए शांति और सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की गई।इसके अतिरिक्त, जनपद के संवेदनशील स्थलों पर ड्रोन कैमरों से लगातार निगरानी की जा रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी अफवाह या भ्रामक सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

ईद के दृष्टिगत चेयरमैन व उपनगर आयुक्त ने दिए ईद पर बेहतर नगरीय सुविधाओं के निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में ईद उल फितर का त्यौहार देश भर मे मनाया जाना संभावित है। ईद के दृष्टिगत नगर पालिका परिषद अमरोहा की ओर से नगर वासियो को बेहतर सुविधाएँ दिए जाने के लिए पालिका अध्यक्ष शशि जैन व उप नगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार ने पालिका अधिकारियो / कर्मचारियों को विस्तृत निर्देश दिए हैं।
इस सम्बन्ध मे विस्तार से जानकारी देते हुए नगर पालिकापरिषद के उप नगरायुक्त डॉ. बृजेश कुमार ने बताया की इस वर्ष ईद उल फित्र त्यौहार के दृष्टिगत पालिका द्वारा व्यापक रूप से गत वर्षो से बेहतर नागरिक सुविधाएं दिए जाने हेतु कार्ययोजना तैयार की गयी है।
इसी क्रम मे बीते दिन पालिका चेयरमैन शशि जैन द्वारा अपर जिलाधिकारी व अन्य प्रशासनिक अधिकारियो के साथ नगर की ईदगाह का निरीक्षण कर पालिका की ओर

से ईदगाह पर की जा रही व्यवस्थाओ को परखा एवं नमाजियो की सुविधा के दृष्टिगत गत वर्षो से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने के निर्देश संबंधित स्टॉफ को दिए गए। पालिका उप नगर आयुक्त ने बताया की ईद के दृष्टिगत सम्पूर्ण नगरीय क्षेत्र मे निर्बाध पेयजलापूर्ति के लिए जेनेरेटर की वैकल्पिक व्यवस्था, सम्पूर्ण नगर क्षेत्र मे व्यापक सफाई, जल छिड़काव, चूना आदि की व्यवस्था किये जाने, पथ प्रकाश हेतु नगर का निरीक्षण कर खराब प्रकाश बिन्दुओ को बदले जाने, ईद पर्व पर पालिका से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत दर्ज कर उसका तत्काल निस्तारण किये जाने हेतु कण्ट्रोल रूम की स्थापना किये जाने के निर्देश अधिनस्थो को दिए गए हैं। पालिका चेयरमैन व उप नगर आयुक्त ने नगर वासियो को पवित्र ईद उल फित्र पर्व की बधाई देते हुए अपील की है की अमरोहा नगर आपका है, पालिका द्वारा अमरोहा को स्वच्छ व सुन्दर बनाये जाने के किये जा रहे कार्यों व प्रयासों मे आपका अमूल्य सुझाव आमंत्रित हैं, सभी नगरवासी अपनी शिकायते अथवा सुझाव पालिका के टोल फ्री नम्बर 1533 व 1800 180 1318 पर दर्ज करवा सकते हैं।पालिका को प्रदेश मे नम्बर एक बनाने के लिए पालिका के निदेशों का पालन करें, अपने घरों का कूड़ा पालिका डोर टू डोर वाहन मे ही डालें, जल की बबार्दी ना करें, करो की अदायगी समय से करें, प्रतिबंधित प्लास्टिक पॉलीथिन व उससे बने उत्पादों का प्रयोग न करें, सरकारी भूमि, नाले- नाली व मार्गो पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें।
नगर को व्यवस्थित व स्वच्छ बनाये जाने मे नगर पालिका परिषद अमरोहा का सहयोग करें।

अमरोहा कोर्ट ने 21 साल बाद तीनों दोषियों को 7-7 साल की कैद व तीन हजार का लगाया जुमार्ना

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला में नकली देसी घी बनाने के 21 साल पुराने मामले में अदालत ने तीन दोषियों को सात-सात साल कैद और तीन हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय की अदालत ने यह फैसला दिया। सजा सुनाए जाने के समय तीनों दोषी जमानत पर थे, जिन्हें अब जेल भेज दिया गया है।
यह मामला 19 अक्टूबर 2005 का है। गजरौला पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मोहल्ला लक्ष्मीनगर के एक मकान में नकली देसी घी बनाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने खाद्य निरीक्षक के साथ मौके पर छापा

मारा। वहां वनस्पति तेल और केमिकल (बटर फ्लेवर) का उपयोग कर नकली देसी घी बनाते हुए तीन लोगों को पकड़ा गया।पुलिस ने मौके से लगभग 18 किलो वनस्पति तेल, चार किलो तैयार नकली घी, केमिकल से भरी बोतल, स्टोव, डिब्बे और अन्य उपकरण बरामद किए। पूछताछ में आरोपियों की पहचान शाकिर और आरिफ (निवासी हरौड़ा, थाना सिम्भावली, गाजियाबाद) तथा जाकिर (निवासी लक्ष्मीनगर, गजरौला) के रूप में हुई। तीनों के पास देसी घी बनाने का कोई वैध लाइसेंस नहीं था।पुलिस ने इस मामले में धोखाधड़ी और खाद्य अपमिश्रण अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया, हालांकि वे बाद में जमानत पर रिहा हो गए थे। पुलिस ने मजबूत साक्ष्यों के साथ तीनों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया।लंबी सुनवाई और साक्ष्यों के परीक्षण के बाद अदालत ने दोनों पक्षों के तर्कों को सुना। बुधवार को कोर्ट ने मामले की अंतिम सुनवाई करते हुए आरोपी शाकिर, आरिफ और जाकिर को दोषी करार दिया। प्रत्येक दोषी को सात साल की कैद और एक-एक हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। करीब दो दशक पुराने इस मामले में आए इस फैसले को मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक, दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक गांधी सभागार कलेक्ट्रेट अमरोहा में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक के दौरान हाईवे पर अवैध कट के कारण होने वाली दुघर्टनाओं पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने एनएच के अधिकारियों को अवैध कटों को तुरंत बंद करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए

पट्टी अवश्य लगाएं। उन्होंने संबंधित नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत के की सड़कों पर अधिशासी अधिकारी सफेद पट्टी अवश्य लगवाएँ। उन्होंने संबंधित को निर्देश दिए कि निजी अस्पतालों में जितनी भी एंबुलेंस है उनका लाइसेंस सत्यापन अवश्य करने यह कार्य शत प्रतिशत होना चाहिए निजी अस्पतालों में कितनी एंबुलेंस संचालित है उसकी एक सूची अवश्य उपलब्ध करा दें। इस अवसर पर सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य और संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

कौशल विकास प्रशिक्षण व ब्यूटी प्रैक्टिस के जरिए युवाओं को बनाया जा रहा आत्मनिर्भर

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई में गुरुवार को कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न ट्रेड के प्रशिक्षुओं को व्यावहारिक और तकनीकी ज्ञान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना रहा।

डीटीपी (डेस्कटॉप पब्लिशिंग) बैच के अंतर्गत प्रशिक्षुओं को डीएसटी मयंक वार्ष्णेय द्वारा विजिटिंग कार्ड डिजाइन करना सिखाया गया। इस दौरान उन्होंने डिजाइनिंग के मूलभूत सिद्धांतों, लेआउट तैयार करने की तकनीक, रंग संयोजन और सॉफ्टवेयर के प्रभावी उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षुओं को प्रैक्टिकल के माध्यम से खुद विजिटिंग कार्ड तैयार करने का मौका भी दिया गया, जिससे उनकी समझ और दक्षता में वृद्धि हुई।

वहीं, जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर बैच में डीएसटी बालेश द्वारा प्रशिक्षुओं को कर्ली हेयर स्टाइलिंग, फेशियल, ब्लीच सहित अन्य ब्यूटी ट्रीटमेंट्स का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने त्वचा और बालों की देखभाल से जुड़े जरूरी पहलुओं पर भी प्रकाश डाला और बताया कि किस प्रकार सही तकनीक और उत्पादों के इस्तेमाल से बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। इस दौरान प्रशिक्षुओं को लाइव डेमो और प्रैक्टिकल के जरिए प्रशिक्षण दिया गया, जिससे वे इन तकनीकों को आसानी से सीख सकें।

कार्यक्रम के दौरान सीवीआरसेटी के निदेशक विनीत तिवारी ने प्रशिक्षुओं को ईडीपी (उद्यमिता विकास कार्यक्रम) से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के बाद युवा किस प्रकार अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकते हैं। उन्होंने स्वरोजगार के विभिन्न विकल्पों, व्यवसाय योजना बनाने की प्रक्रिया और मार्केटिंग के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की।

निदेशक ने प्रशिक्षुओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि कौशल भी उतना ही जरूरी है। यदि युवा अपने सीखे हुए हुनर का सही उपयोग करें, तो वे न केवल स्वयं रोजगार प्राप्त कर सकते हैं बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार देने में सक्षम बन सकते हैं।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नई-नई तकनीकों को सीखने में रुचि दिखाई। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशिक्षुओं को नियमित अभ्यास करने और सीखे गए कौशल को व्यवहार में लाने के लिए प्रेरित किया गया।

इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम क्षेत्र के युवाओं के लिए लाभकारी साबित हो रहे हैं, जो उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रहे हैं।

हिंदू नव वर्ष पर वार्ष्णेय नवयुवक मंडल का चंदन बंधन कार्यक्रम आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई क्षेत्र में वार्ष्णेय नवयुवक मंडल द्वारा चैत्र प्रतिपदा विक्रम संवत 2083 एवं हिंदू नव वर्ष के शुभ अवसर पर प्रथम नवदुर्गा के दिन चंदन बंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नया बाजार स्थित रामलीला ग्राउंड में श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान मंडल के सदस्यों ने महिलाओं, पुरुषों और बच्चों के माथे पर चंदन का टीका लगाकर उन्हें हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। पूरे आयोजन में भक्ति और सांस्कृतिक वातावरण देखने को मिला, जहां लोगों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए नव वर्ष का स्वागत किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बहजोई नगर पालिका अध्यक्ष राजेश शंकर राजू उपस्थित रहे।

उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में एकता, भाईचारा और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं।

कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष योगेश कुमार एडवोकेट सहित संजीव मोहन, प्रमोद कुमार रोरा, अनिल कुमार (लोहे वाले), प्रमोद कुमार (हलवाई), साहू अश्वनी कुमार, शिवम टंडन, संजय लौह वाले, साहू मनीष कुमार, आशीष बजाज समेत कई लोग मौजूद रहे।

मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि इस तरह के धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज में सकारात्मक संदेश देना और लोगों को अपनी संस्कृति से जोड़ना है। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आपसी सौहार्द के साथ हिंदू नव वर्ष का स्वागत किया।

भरतमुनि जयंती व होलिकोत्सव पर संस्कार भारती का सांस्कृतिक आयोजन

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के चंदौसी बिसौली गेट पर स्थित रामकृष्ण (पप्पूसेठ) की धर्मशाला में संस्कार भारती, जिला सम्भल द्वारा भरतमुनि जयंती एवं होलिकोत्सव के अवसर पर बुधवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लघु नाटिका, गीत-संगीत और कवि सम्मेलन की प्रस्तुतियों ने देर रात तक श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किए रखा। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्प अर्चन के साथ हुई। पाखी वार्ष्णेय ने सरस्वती वंदना और रितु वार्ष्णेय ने ध्येय गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष वैद्य बजनन्दन शर्मा ने की। संचालन अशोक कुमार व डॉ. जयशंकर दुबे ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि के रूप में

भाजपा नगर अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल एवं पूर्व सभासद अर्चित अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रहलाद राय व हीरालाल द्वारा लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। कवि सम्मेलन में डॉ. जयशंकर दुबे, शांतिदेवी राणा, अतुल कुमार शर्मा, सुखवीर पाल गौर, रमेश चंद अधीर, अशोक कृष्णम, प्रदीप दीप व ज्ञानप्रकाश उपाध्याय सहित कई कवियों ने काव्य पाठ किया। मुख्य अतिथि अंकुर अग्रवाल ने अपने संबोधन में समाज में सांस्कृतिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला, जबकि अर्चित अग्रवाल ने कहा कि संस्कार भारती नए कलाकारों को मंच देने का कार्य कर रही है। कार्यक्रम की संयोजिका आशा गोस्वामी रहीं। अंत में वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। नव संवत्सर के अवसर पर संस्कार भारती द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज व घंटाघर पर

प्रसव के बाद महिला की मौत, परिजनों ने निजी अस्पताल पर लापरवाही का लगाया आरोप

नरौली/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के कस्बा नरौली में प्रसव के बाद एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। परिजनों ने निजी अस्पताल के डॉक्टरों और स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, चंदौसी के राज मोहल्ला निवासी अमन सैफी ने बताया कि उनकी बहन साहिबा पुत्री महताव (24) की शादी करीब तीन वर्ष पूर्व थाना बनियाठेर क्षेत्र के कस्बा नरौली निवासी सुभान के साथ हुई थी। शादी के बाद वह अपने ससुराल में रह रही थी।

बताया गया कि बुधवार देर रात साहिबा को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजन उसे तुरंत गांव वैटला स्थित एक निजी अस्पताल, केजीएन हॉस्पिटल, में लेकर पहुंचे, जहां उसे भर्ती कर लिया गया। अस्पताल में डॉक्टरों की देखरेख में डिलीवरी कराई गई, जिसमें उसने एक बच्ची को जन्म दिया।

परिजनों का आरोप है कि डिलीवरी के बाद साहिबा की हालत लगातार बिगड़ती रही, लेकिन अस्पताल के डॉक्टरों ने समय पर उचित इलाज और देखभाल नहीं की। उनका कहना है कि गुरुवार सुबह डॉक्टरों ने अचानक मरीज की हालत गंभीर बताते हुए उसे कहीं और ले जाने की सलाह दी।

परिजनों के मुताबिक जब उन्होंने साहिबा की स्थिति देखी तो उसके हाथ-पैर ठंडे पड़ चुके थे, जिससे उन्हें आशंका हुई कि उसकी मौत हो चुकी है। इसके बाद अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आरोप है कि घटना के तुरंत बाद केजीएन हॉस्पिटल का डॉक्टर और स्टाफ मौके से फरार हो गया, जिससे परिजनों में आक्रोश फैल गया। उनका कहना है कि यदि समय रहते सही इलाज मिलता तो साहिबा की जान बचाई जा सकती थी।

हालांकि समाचार लिखे जाने तक परिजनों द्वारा किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है, लेकिन इस घटना ने क्षेत्र में निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

घटना के बाद मृतका के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। नवजात बच्ची के जन्म की खुशी मातम में बदल गई। वहीं, स्थानीय लोगों में भी इस घटना को लेकर रोष व्याप्त है और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर चिंता जताई जा रही है।

किसानों की समस्याओं को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद की तहसील चंदौसी में राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के पदाधिकारियों व किसानों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से किसानों ने गन्ना भुगतान, बिजली, गैस और फसल के उचित मूल्य सहित कई मुद्दों पर जल्द समाधान की मांग की।

जिलाध्यक्ष कुलदीप चौधरी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि वर्ष 2012 के कोर्ट आदेश के अनुसार गन्ना भुगतान ब्याज सहित होने तक आरसी न काटी जाए, लेकिन इसका पालन नहीं किया जा रहा है।

किसानों ने बिजली आपूर्ति की समस्या उठाते हुए बताया कि लंबे समय से उन्हें पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही है, जबकि विद्युत विभाग

द्वारा क्षमता से अधिक बिल भेजे जा रहे हैं, जिससे किसान परेशान हैं। साथ ही सरकार द्वारा दी जा रही छूट का लाभ भी किसानों को नहीं मिल पा रहा है और इसके लिए उन्हें बार-बार विभाग के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि किसानों को समय पर एलपीजी गैस नहीं मिल रही है। गैस एजेंसियों पर बार-बार जाने के बावजूद उन्हें गैस उपलब्ध नहीं कराई जा रही, जबकि कालाबाजारी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। इसके अलावा किसानों ने आलू की फसल का उचित मूल्य न मिलने की समस्या भी उठाई और सरकार से मुआवजा या समर्थन मूल्य दिलाने की मांग की।

किसानों ने खतौनी और आधार कार्ड में नाम संशोधन के चलते फार्म रजिस्ट्री में आ रही दिक्कतों को भी प्रमुख मुद्दा बताया और इस प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग की।

किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो वे धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस दौरान टीकाराम शर्मा (तहसील अध्यक्ष), नेम सिंह, गजेंद्र सिंह, आशिक अली, हाशिम अली, बबलू, साबिर अली, रतन सिंह, हसमत, प्रेमपाल सिंह, जसवीर सिंह, कल्याण सिंह और चंद्रपाल सहित काफी मात्रा में किसान मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की गई समीक्षा बैठक

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीटीएफ, बेसिक शिक्षा, केजीबीवी, शिक्षा विमर्श, निपुण सम्भल एवं पीएम श्री योजना सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के दौरान कायाकल्प योजना के तहत 19 अवस्थापना सुविधाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संतृप्तिकरण की स्थिति पर जानकारी लेते हुए सख्त निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में निर्धारित 19 बिंदुओं पर कार्य पूर्ण नहीं हुआ है, वहां संबंधित एडीओ पंचायत और ग्राम सचिव का वेतन तब तक आहरित न किया जाए, जब तक कार्य पूर्ण न हो जाए। साथ ही संबंधितों से स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश भी दिए गए।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में फर्नीचर

आपूर्ति को लेकर जिलाधिकारी ने गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने एआरपी और एसआरजी से कहा कि वे विद्यालयों की वास्तविक स्थिति से उन्हें सीधे अवगत करा सकते हैं।बैठक में सीसीएल को एजेंडा में शामिल करने तथा किन-किन को और कब-कब सीसीएल दी गई, इसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। आगामी 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक चलने वाले स्कूल चलो अभियान को लेकर भी चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि बच्चों की अधिकतम उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रणनीति बनाई जाए। इसके लिए आंगनबाड़ी केंद्रों से बच्चों की सूची लेकर प्राथमिक विद्यालयों में उनका पंजीकरण कराया जाए। साथ ही प्राइवेट स्कूलों और मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों का भी आंकलन कर मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने के प्रयास किए जाएं। इसके अतिरिक्त विद्यालयों के ऊपर से गुजर रही हाई टेंशन लाइन, स्मार्ट मीटर, मिड-डे मील, तिथि भोजन, सामुदायिक सहभागिता, जीरो पॉवर्टी और निपुण योजना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत आशीष सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी चेतेन्द्र पाल सिंह सहित एआरपी, एसआरजी एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

हयातनगर के अयोध्या मंदिर में महिलाओं ने मनाया हिंदू नव वर्ष

हयातनगर/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के हयातनगर स्थित अयोध्या मंदिर में गुरुवार को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद हयातनगर की महिलाओं द्वारा भारतीय नव वर्ष उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में शामिल सभी महिलाओं ने पीले वस्त्र धारण कर पारंपरिक तरीके से नव वर्ष का स्वागत किया। मंदिर परिसर में भक्ति और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर दीपा वार्ष्णेय ने बताया कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को नव वर्ष मनाने के कई धार्मिक और ऐतिहासिक कारण हैं, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण यह है कि इसी दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना का प्रारंभ किया था और सतयुग की शुरूआत हुई थी। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं और धार्मिक महत्व पर चर्चा की। इस मौके पर पुष्पा, प्रतिमा, नीरू, कल्पना, रीता, कुसुमलता, उषा, लक्ष्मी, शशि वाला, सुनीता और मेघा सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देना तथा समाज में धार्मिक जागरूकता फैलाना रहा।

लहराबन फाटक पर दर्दनाक हादसा, ट्रेन से कटकर युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें एक युवक की ट्रेन से कटकर मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना दोपहर करीब 3:45 बजे लहराबन फाटक के पास हुई, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

मृतक की पहचान गांव मुल्हेटा निवासी बबलू (30) पुत्र रमेश के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बबलू अपने साले को किसी सवारी में बैठाने के लिए लहराबन फाटक तक छोड़ने गया था। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के अनुसार, साले को विदा करने के बाद जब बबलू वापस लौट रहा था, तभी अचानक वह ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसा इतना भीषण था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी गई।

बबलू पेशे से नाई का कार्य करता था और इसी से अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके परिवार में तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं, जिनमें बड़ा बेटा अमन (10), एक बेटी और सबसे छोटा बेटा शामिल है।

इसके अलावा उसका एक छोटा भाई जसबीर है, जो काशीपुर में रहता है। अचानक हुई इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे गांव में शोक का माहौल है।

नव संवत्सर पर ब्रह्म शक्ति पंचांग का विमोचन, समारोह किया गया आयोजित

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में स्वामी भूमानंद सेवा ट्रस्ट द्वारा नव संवत्सर 2083 के शुभ आगमन पर संयुक्त चिकित्सालय स्थित महामृत्युंजय मंदिर परिसर में ब्रह्म शक्ति पंचांग का विधिवत विमोचन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम धार्मिक श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

समारोह के दौरान सभी आगंतुकों का चंदन लगाकर स्वागत व वंदन किया गया। पंचांग का विमोचन डॉ. राजीव लोचन शर्मा, डॉ. हरविंदर सिंह, डॉ. सतीश शर्मा, डॉ. रमाकांत नागर एवं डॉ. वाई.पी. जोशी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर के.जी. शर्मा ने उपस्थित सभी लोगों को नव वर्ष एवं चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पंचांग भारतीय संस्कृति और परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो जीवन को धर्म और समय के अनुसार व्यवस्थित करने का मार्गदर्शन करता है। कार्यक्रम में अनेक लोग उपस्थित रहे, जिनमें रमेश चंद्र शर्मा, रविशंकर शर्मा, जे.एन. मिश्रा, आलोक दुबे, अशोक पाठक, राजीव शर्मा, सौरभ मिश्रा, डॉ. गौरव मिश्रा, योगेंद्र कुमार शर्मा, रमेश ग्रेवाल, राजेश शंखधार, विशाल शर्मा, मनोज शर्मा, सर्वेश गुप्ता, सुनील गुप्ता, कल्पना वार्ष्णेय, उमा श्रीवास्तव, बृजनंदन शर्मा, राकेश चौबे, अनुपम शर्मा, कपिल शर्मा, सचिन शर्मा, अनिल शर्मा, बृजेश वार्ष्णेय, बिजेंद्र शर्मा, सुदर्शन वार्ष्णेय, रामकिशन अग्रवाल, ताराचंद शर्मा, विवेक मिश्रा, शरद शर्मा, डॉ. उमेश चंद शर्मा, सुनील शर्मा, शिव ओम जिंदल, अजय सक्सेना, राजू शर्मा, संजीव शर्मा, सुरेश चंद्र शर्मा, सच्चिदानंद शर्मा, मयंक सहित अन्य लोग शामिल रहे। विमोचन के उपरांत श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नव संवत्सर के अवसर पर धार्मिक परंपराओं का प्रचार-प्रसार और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना रहा।

ईद की खुशियां मातम में बदली, सड़क हादसे में युवक की मौत

बिजनौर (सब का सपना):- ईद की खुशियों के बीच एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां मातम में बदल दीं। शहर कोतवाली क्षेत्र के मण्डावर रोड पर तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी मौसी गंभीर रूप से घायल हो गईं। जानकारी के अनुसार जनदरपुर निवासी मो हाशिम अपने परिवार के साथ ईद मनाने के लिए घर आए हुए थे। वह अपनी मौसी खुशनुदा के साथ शहर से खरीदारी कर गांव लौट रहे थे। रास्ते में जमालपुर पठानी के पास वे किसी काम से सड़क किनारे रुके और बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आई एक बाइक ने उनकी खड़ी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

हादसा इतना भीषण था कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन तत्काल उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मो हाशिम को मृत घोषित कर दिया। वहीं खुशनुदा का इलाज जारी है और उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फरार बाइक सवार की तलाश के लिए पुलिस ने अभियान शुरू कर दिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

बताया जा रहा है कि मो हाशिम पटना में कारपेंटर का काम करते थे और ईद के मौके पर घर लौटे थे। वह अपने 11 भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। उनकी अचानक मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है और पूरे गांव में शोक का माहौल है।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण और सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की मांग उठाई है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

माइक्रो प्लान के तहत होगा काम, सभी विभागों को समन्वय के निर्देश

बिजनौर(सब का सपना):- संचारी रोगों की रोकथाम को लेकर जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 01 अप्रैल से 30 अप्रैल तक जिले भर में चलाया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग माइक्रो प्लान के अनुसार कार्य करें और अभियान को पूरी गंभीरता के साथ लागू करें, ताकि जिले में संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारियों और खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही नालियों में एंटी लार्वा का छिड़काव और फोगिंग कार्य समय-समय पर कराया जाए, जिससे मच्छरों के पनपने पर रोक लगाई जा सके। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि अभियान के सभी चरणों को शत-प्रतिशत प्रभावी बनाया जाए।

उन्होंने आमजन में जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि लोग संचारी रोगों से बचाव के उपायों को अपनाएं। जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए गए कि स्कूलों में विशेष अभियान चलाकर बच्चों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाए।

जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को घर-घर सर्वे अभियान को गंभीरता से संचालित करने और बुखार से पीड़ित मरीजों की पहचान कर उनका समय से उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कौशलेंद्र सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे, जबकि ईओ और बीडीओ ऑनलाइन जुड़े।

कम उम्र में बड़ी उपलब्धि, पहली महराब में पूरा कुरान सुनाया

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा की जैना वाली मस्जिद में रमजान के दौरान तरावीह मुकम्मल हो गई, जहां 15 वर्षीय हाफिज मोहम्मद फाइज ने पूरा कुरान शरीफ सुनाकर सभी को प्रभावित कर दिया। तरावीह के समापन पर मुफ्ती सदाकत हुसैन ने मुल्क में अमन-चैन और तरक्की के लिए विशेष दुआ कराई। कम उम्र में बेहतरीन अंदाज में कुरान सुनाने वाले हाफिज फाइज की लोगों ने जमकर सराहना की। नमाज़ियों ने बताया कि वर्षों से तरावीह सुनने के बावजूद इतनी कम उम्र में इतनी साफ और सलीकेदार तिलावत कम ही देखने को मिलती है। हाफिज मोहम्मद फाइज एक

सीबीएसई स्कूल के छात्र हैं और उन्होंने कोरोना काल के दौरान कुरान शरीफ हिफ़्ज़ किया था। यह उनकी पहली महराब थी, जिसमें उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ तरावीह में कुरान सुनाया। उनकी इस उपलब्धि पर मौजूद लोगों ने उन्हें दुआओं से नवाजा और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुफ्ती सदाकत हुसैन ने अपने बयान में कहा कि इस्लाम भाईचारे, इंसानियत और कमजोरों की मदद का संदेश देता है। उन्होंने लोगों से आपसी प्रेम और सहयोग की भावना बनाए रखने की अपील की।

हाफिज फाइज के पिता मोहम्मद रुमान उर्फ रुमी ने उनकी सफलता का श्रेय उनके उस्ताद कारी अब्दुल रहमान को देते हुए कहा कि उन्होंने पूरी लगन से फाइज को तालीम दी है। वहीं हाफिज फाइज ने बताया कि वह आगे चलकर मेडिकल क्षेत्र में जाकर गरीब और जरूरतमंद लोगों की सेवा करना चाहते हैं।

इस मौके पर नगर के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे और सभी ने इस उपलब्धि की सराहना की।

युवा उद्यमी योजना में पारदर्शिता और गुणवत्ता पर जोर

औद्योगिक विकास में तेजी लाने को प्रशासन की सख्ती

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला उद्योग बंधु की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने निवेश बढ़ाने और उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर दिया।

जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में हुई बैठक में कहा गया कि शासन की औद्योगिक नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक निवेश आकर्षित किया जाए, ताकि रोजगार के नए अवसर सृजित हो सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निवेशकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और उनकी समस्याओं का समयबद्ध

निस्तारण किया जाए।

बैठक में निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने उन्हें शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए। उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया गया कि निवेशकों और उद्यमियों के समक्ष आने वाली समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए, जिससे जिले में औद्योगिक विकास को गति मिल सके।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत बैंकों को निर्देश दिए गए कि पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की गुणवत्ता के साथ जांच कर उन्हें स्वीकृत किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लाभार्थियों को योजना का लाभ मिल सके। साथ ही एमओयू क्रियान्वयन तंत्र की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि हस्ताक्षरित एमओयू को जल्द से जल्द धरातल पर उतारकर उत्पादन शुरू कराया जाए।

बैठक के दौरान उद्यमियों ने विद्युत आपूर्ति, सड़क, परिवहन, भूमि आवंटन, बैंक ऋण और प्रदूषण अनुमति से जुड़ी समस्याएं उठाईं। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि इन सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, उपायुक्त उद्योग अमित कुमार सहित उद्योग बंधु और व्यापार बंधु के सदस्य मौजूद रहे।

ईद पर भाई चारा बनाए रखें और जरूरतमंदों की मदद करे:- महताब अंसारी

महताब अंसारी का क्षेत्र की आवाम को संदेश मिलजुल कर बनाए ईद का त्यौहार

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के कोतवाली देहात ब्लॉक वार्ड नंबर 4 जिला पंचायत भावी उम्मीदवार निवासी शेखपुरा तुर्क के युवा दिग्गज नेता व्यवहार कुशल महताब अंसारी समाज व कौम की खिदमत में मुख्य किरदार अदा करने वाले महताब अंसारी ने कहा सुकून व मौहब्बत व भाईचारे के साथ ईद उल फितर का त्यौहार मनाए। महताब अंसारी ने कहा कि अल्लाह ने कुरान में फरमाया है कि रमजान के इस पाक और बरकतों वाले महीने में मुसलमान अपनी कमाई का ढाई प्रतिशत हिस्सा गरीबों को दें और जकात हर साहिबे निसाब पर फर्ज है। ये जकात रमजान के अंदर ही निकाल दें ताकि गरीब भी अपनी ईद अच्छे से मना सकें।महताब अंसारी ने बताया कि अल्लाह के रसूल फरमाते हैं कि जिसके पास साढ़े

बावन तोले चांदी और साढ़े सात तोला सोना है तो उस पर जकात फर्ज है।

मुसलमान की कमाई पर ढाई प्रतिशत हिस्से पर भी जकात फर्ज है। ये जकात रमजान के अंदर ही निकाल दिए जाने का अल्लाह की तरफ से हुक्म है।

दूसरी जगह अल्लाह के रसूल फरमाते हैं कि जकात फर्ज है। आगे उन्होंने कहा है कि 100 रुपये में ढाई रुपये, एक हजार रुपये में पच्चीस रुपये और एक लाख रुपये पर ढाई हजार रुपये जकात फर्ज है।

मंडी धनौरा में इंडेन गैस एजेंसी पर 3 दिन बाद पहुंची गैस तो उमड़ी उपभोक्ताओं की भीड़

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा और बछरायूं क्षेत्र में तीन दिनों से ठप पड़ी इंडेन रसोई गैस की आपूर्ति गुरुवार को बहाल हुई। गैस की गाड़ी पहुंचते ही उपभोक्ताओं का धैर्य जवाब दे गया और एजेंसी पर सिलेंडर लेने के लिए पुरुषों व महिलाओं की लंबी कतारें लग गईं। त्योहारों के इस मौसम में लोग सुबह से ही खाली सिलेंडर लेकर लाइन में लगे रहे, जिसके बाद सुबह दस बजे के बाद वितरण शुरू हो सका।

बता दें कि इन दिनों चल रही गैस की किल्लत का असर घरों के साथ-साथ सरकारी स्कूलों पर भी दिखाई दे रहा है। कंपोजिट विद्यालय कमालपुर की शिक्षिका रोशनी खान ने बताया कि सिलेंडर न मिलने के कारण बच्चों के लिए मिड-डे मील तैयार करने में भारी समस्या आ रही

है। मजबूरी में उन्हें चूल्हे पर खाना बनाना पड़ रहा है।स्थानीय निवासी आसिफ अली और मेंहदी हसन ने बताया कि ईद का समय है और घर में गैस खत्म होने से गंभीर संकट खड़ा हो गया है। वहीं, राजीव प्रजापति और सचिन सिद्धू ने कहा कि चैत्र नवरात्र शुरू हो चुके हैं, लेकिन घर में सिलेंडर न होने से पूजा-पाठ और खान-पान का प्रबंधन करना मुश्किल हो रहा है।भारी भीड़ और हंगामे की आशंका को देखते हुए प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा। मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बछरायूं थाने से कांस्टेबल अनुज चौधरी और बेताब जावला पहुंचे। डायल 112 के जवान भी मुस्तैद रहे। खबर लिखे जाने तक वितरण प्रक्रिया को सुचारू रूप से शुरू करने का प्रयास किया जा रहा था।इस अव्यवस्था पर धनौरा के आपूर्ति अधिकारी अमित श्रीवास्तव ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से गैस की कोई कमी नहीं है। एजेंसी संचालक को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि वह उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी सुनिश्चित करें। उन्होंने हैरानी जताई कि आखिर क्यों लोगों को गोदाम पर भीड़ लगाने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि एजेंसी को गोदाम के बाहर बैनर-पोस्टर लगाकर स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि जनता भ्रमित न हो।

बिजनौर में जैद से पूछताछ में जुटी पुलिस, कई अन्य युवक भी हिरासत में

बिजनौर। पिछले दिनों संदिग्ध आतंकी अबूबकर के उकसाने पर किरतपुर निवासी अबूजर के पिकअप वाहन में आग लगाने के प्रकरण में पुलिस ने मुख्य आरोपित जैद को हिरासत में ले लिया है। पुलिस उससे पूछताछ में जुटी है।

पूछताछ के आधार पर कई अन्य युवकों को भी हिरासत में लिया है। पुलिस के साथ एलआइयू और आइबी की टीम भी पूछताछ के लिए पहुंची है। जांच में सामने आ रहा है कि अबूबकर पाकिस्तान का रहने वाला है। हालांकि पुलिस अबूबकर की लोकेशन तलाश रही है।कस्बा किरतपुर के मुहल्ला अफगानान निवासी अबूजर उर्फ राईन को गुरुवार को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। अबूजर ने बताया था कि उसने मुंबई में रह रहे अपने मौसेरे भाई किरतपुर के मुहल्ला लुकमानपुरा निवासी जैद से पैसे मांगे थे। जैद ने अबूबकर से टेलीग्राम पर उसकी बात कराई। अबूबकर ने अबूजर को हिंदू समाज के लोगों की गाड़ियों में आग लगाने का टास्क दिया था और इसके बदले पैसे देने का लालच दिया था।चार मार्च की रात सवा दस बजे अबूजर ने मुहल्ला झंडा निवासी निमिष रस्तोगी के पिकअप वाहन में आग लगा दी थी और वीडियो को टेलीग्राम पर जैद को भेज दिया था। उधर, अबूजर के पकड़े जाने पर आरोपित जैद ने अपने मोबाइल से टेलीग्राम ग्रुप डिलीट कर दिया है। इससे अबूजर के मोबाइल फोन से भी सारा डाटा डिलीट हो गया है।उस डाटा को हासिल करने के लिए अबूजर का मोबाइल फोन और जैद का मोबाइल नंबर फोरेंसिक प्रयोगशाला को भेजा है। फोरेंसिक प्रयोगशाला में डाटा रिकवर होने के बाद पता चल पाएगा कि जैद के ग्रुप में कौन-कौन लोग जुड़े हैं। मंगलवार देर रात पुलिस जैद तक पहुंच गई है। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बुधवार को दिनभर पुलिस के अधिकारियों ने जैद से पूछताछ की और इसके बाद पुलिस ने किरतपुर निवासी कुछ युवकों को भी हिरासत में लिया है। हालांकि इस प्रकरण में अभी कोई पुलिस अधिकारी कुछ बताने के लिए तैयार नहीं है।

चैत्र नवरात्रों के पहले दिन मंदिरों में पूजा अर्चना के लिए उमड़ी भक्तों की भीड़

पूजा अर्चना के लिए लंबी कतार में खड़े होकर घंटों किया इंतजार

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला क्षेत्र में गुरुवार को चैत्र नवरात्रि के अवसर पर मंदिरों में पूजा अर्चना के लिए नवरात्रि के पहले दिन भक्तों की भारी भीड़ देखी गई जिन्होंने माता की पूजा अर्चना करने के लिए लंबी कतार में खड़े होकर घंटों इंतजार किया।क्षेत्र में स्थित कई मंदिरों पर माता के भक्तों की भारी भीड़ देखी गई।

बता दें कि चैत्र नवरात्रि हिंदू कैलेंडर के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नौ दिनों तक मनाया जाने वाला शक्ति का महापर्व है, जो हिंदू नववर्ष की शुरूआत भी है। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों (शैलपुत्री से सिद्धिदात्री) की पूजा होती है, कलश स्थापना की जाती है और भक्त व्रत रखते हैं। मान्यता है कि देवी दुर्गा ने महिषासुर का वध करने के लिए नौ दिनों तक युद्ध किया था। इस दौरान उन्होंने हर दिन अलग-अलग रूप धारण किए, जिसे 'नवदुर्गा' के रूप में पूजा जाता है। यह व्रत संतान, धन

और सुख-समृद्धि की प्राप्ति के लिए किया जाता है।चैत्र नवरात्रि की नवमी तिथि को भगवान राम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है, जिससे इसका महत्व और बढ़ जाता है।पहले दिन कलश स्थापना और शैलपुत्री की पूजा होती है। इसके बाद ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और अंतिम दिन सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है।भक्त नौ दिनों का उपवास करते हैं, सुबह-शाम माता की आरती करते हैं और कन्या पूजन के साथ व्रत का समापन करते हैं। यह समय ऋतु संधिकाल होता है, जिसमें उपवास करने से शारीरिक शुद्धिकरण होता है और मानसिक शांति मिलती है

मंडी धनौरा में भाकियू (टिकैत) की मासिक बैठक का आयोजन

स्मार्ट मीटर लगाने,गन्ना भुगतान, आवारा पशु और गैस किल्लत पर जताई नाराजगी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की मासिक बैठक गुरुवार को धनौरा स्थित विद्युत उपकेंद्र के प्रांगण में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी आलोक कुमार ने की, जबकि संचालन रामवीर सिंह द्वारा किया गया। इस पंचायत में किसानों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई और शासन-प्रशासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया गया।

बता दें कि गुरुवार को आयोजित इस पंचायत में विद्युत विभाग द्वारा लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों का पुरजोर विरोध किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक कुमार ने स्पष्ट किया कि किसी भी उपभोक्ता के यहां जबरन स्मार्ट मीटर नहीं लगने दिया जाएगा।किसानों ने वेव शुगर मिल से बुवाई के लिए अच्छी किस्म का गन्ना बीज उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही, मिल प्रबंधन से किसी

भी किसान का गन्ना खरीदने से मना न करने का आग्रह किया गया। भाकियू ने गन्ने की खरीद 500 रुपये प्रति क्विंटल की दर से करने की मांग की। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार से आलू का न्यूनतम समर्थन मूल्य (टरढ) घोषित कर इसे सरकारी खरीद के दायरे में लाने की अपील की गई।बैठक में किसानों ने आवारा पशुओं, हिंसक कुत्तों और बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की, जो फसलों और आम नागरिकों के लिए खतरा बने हुए हैं। क्षेत्र में गैस सिलेंडर की किल्लत और उसकी कालाबाजारी पर भी चिंता व्यक्त की गई, जिसके लिए प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई।इस अवसर पर भयंकर सिंह यादव, दीपा सिंह धनौरी, झुन्डे सिंह, चरन सिंह, सुरेन्द्र सैनी, मुनीदेव त्यागी, भारत सिंह त्यागी, राजकली, खुशनुमा, रोमा कौशिक, परवेनदर सिंह, सचिन त्यागी, जैविन्द्र सिंह, गंगाराम, अली जफर, सत्यपाल चौहान, हफीज खां और धर्म सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला स्वास्थ्य समिति-शासी निकाय की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार बहजोई जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत जिला स्वास्थ्य समिति-शासी निकाय की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।
बैठक के अन्तर्गत पूर्व जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक के बिन्दुओं पर क्या अनुपालन हुआ उस पर चर्चा की गयी।
सर्वप्रथम जननी सुरक्षा योजना को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा एफआरयू,तथा एचएमआईएस पोर्टल पर एएनसी जांच, प्रसव तथा टीकाकरण, आरसीएच फीडिंग, सीएचओ द्वारा ई संजीवनी ओपीडी की स्थिति पर विकास खण्ड वार पर चर्चा की गयी।

मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि संस्थागत प्रसव का डेटा एएनएम वार निकाला जाए। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना पर चर्चा की गयी।
मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समस्त एमओआईसी को निर्देशित करते हुए कहा कि जमीनी स्तर पर इस योजना पर कार्य करें तथा सीएचओ तथा एएनएम को प्रेरित करें।
आभा आईडी को लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया। जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत संस्थागत प्रसव को लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि डिलीवरी प्वाइंट को बढाना सुनिश्चित करें।
राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एनटीईपी,ई संजीवनी कोल्ड चेन, पर भी चर्चा की गयी।
जिलाधिकारी ने कहा की आशाओं को किट वितरण की जाए जिससे वह अपना काम समय से कर सकें जिलाधिकारी ने आयुष्मान कार्ड की प्रगति के विषय में जानकारी प्राप्त की उन्होंने ने कहा कि आयुष्मान की प्रगति में बढ़ोतरी लाई जाए।
वीएचएसएनडी सत्र को लेकर मुख्य विकास अधिकारी ने जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, डिप्टी कलेक्टर विकास चंद्र, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ राजेंद्र सैनी,अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पंकज विश्नोई, समस्त एमओआईसी एवं संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

पूर्व प्रत्याशी साजिद अली खां ने कराया रोजा इफ्तार, अमन-शांति की दुआ

सम्भल(सब का सपना):- नगर के मोहल्ला चौधरी सराय में पूर्व विधानसभा प्रत्याशी आंवला (बरेली) एवं समाजसेवी साजिद अली खां द्वारा रोजा इफ्तार का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर आमजन के साथ एक ही दस्तरख्वान पर बैठकर इफ्तार करने का दृश्य आपसी भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक बना। बताया गया कि यह आयोजन उनके 10 वर्षीय भतीजे हन्नान के रोजा रखने की खुशी में किया गया, जिसमें क्षेत्र की कई जानी-मानी हस्तियों ने भाग लिया। इफ्तार में राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने एक साथ रोजा खोला और देश में अमन-शांति व तरक्की की दुआ की। कार्यक्रम के दौरान साजिद अली खां ने कहा कि इस तरह के आयोजन लोगों को आपस में जोड़ने और

समाज में मोहब्बत बढ़ाने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि रोजा इफ्तार जैसे मौके आपसी भाईचारे को मजबूत करते हैं और इससे समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। इफ्तार पार्टी में जिला जज एटा अहमद उल्ला खां, पूर्व चेयरमैन नुसरत इलाही, पूर्व मंत्री अकीलुर्रहमान खां, पूर्व सपा जिलाध्यक्ष फिरोज खां, शाही जामा मस्जिद के सदर जफर अली एडवोकेट, कांग्रेस जिलाध्यक्ष हाजी आरिफ तुर्की, नामित सभासद सैयद शान अली, समाजसेवी चौधरी जावेद अली खां उर्फ गुड्डू, मियां असलम, गालिब खां, राशिद सहित बड़ी संख्या में काफी मात्रा में लोग मौजूद रहे।
इफ्तार के दौरान लजीज व्यंजनों का भी लोगों ने आनंद लिया। कार्यक्रम का माहौल पूरी तरह से सौहार्दपूर्ण रहा और अंत में सभी ने एक-दूसरे को गले मिलकर भाईचारे का संदेश दिया।

6 महीने से मनचले करते थे छेड़छाड़, तंग आकर छात्रा ने कर ली आत्महत्या

पलवल : हरियाणा के पलवल जिले से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां गदपुरी थाना क्षेत्र में छेड़छाड़ व प्रताड़ना से तंग एक 16 वर्षीय स्कूली छात्रा ने पंखे से फंदा लगाकर जीवनलीला समाप्त कर दी। पुलिस ने इस मामले में 2 युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार मृतका के पिता ने दर्ज करवाई शिकायत में बताया कि गांव के ही सलमान व पेप्सी नामक दो युवक पिछले 6 माह से बेटी को स्कूल में आते-जाते छेड़ते थे। बेटी के अंदर डर इतना बैठ गया कि उसने स्कूल जाना ही छोड़ दिया। आरोपी छेड़छाड़ कर घर तक आ गए। जब भाई ने विरोध किया तो उसको पीटा और जान से मारने की धमकी भी दी। बता दें कि 16 मार्च को आरोपी सलमान जबरन घर में घुसा और बेटी का हाथ पकड़कर खींचने लगा। भाई के विरोध करने पर आरोपी मौके से भाग गया। अगली सुबह जब वह आरोपियों के घर शिकायत करने पहुंचे तो वहां कोई नहीं मिला। मंगलवार देर शाम जब वह ड्यूटी से लौटा तो पता चला कि बेटी ने पंखे से लटक आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।वहीं थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने मामले को लेकर कहा कि दोनों आरोपी युवकों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने, छेड़छाड़ करने सहित विभिन्न मामलों में मुकदमा दर्ज किया है। दोनों आरोपियों की धरपकड़ के लिए छापेमारी की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

थमने का नाम नहीं ले रही बादशाह की मुश्किलें, अब राष्ट्रीय महिला आयोग ने समन भेज दी ये चेतावनी

दिल्ली : रैपर व सिंगर बादशाह की मुश्किलें थमने का नाम नहीं रही हैं। अब राष्ट्रीय महिला आयोग ने बदशाह के गाने 'टटीरी' में कथित अश्लीलता को लेकर समन भेजा है। आयोग ने बादशाह के साथ-साथ गाने के डायरेक्टर माही संधू, को-डायरेक्टर जोबन संधू, और प्रोड्यूसर हितेन को समन भेजा है। इन सभी को 25 मार्च, 2026 को दोपहर 12:30 बजे संबंधित दस्तावेजों के साथ आयोग के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया है। आयोग ने कहा कि गाने का कंटेंट पहली नजर में आपत्तिजनक लगता है। संभवतः भारतीय न्याय संहिता, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, और महिलाओं का अश्लील चित्रण (निषेध) अधिनियम, 1986 के नियमों का उल्लंघन करता है। आयोग ने यह भी चेतावनी दी कि निर्देश का पालन न करने पर उचित कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

गाय का खूनी तांडव! बारिश के बीच व्यक्ति पर किया जानलेवा हमला

रेवाड़ी : शहर के सेक्टर-4 में बुधवार शाम बारिश के दौरान एक गाय ने एक व्यक्ति पर हमला कर दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिससे इलाके में लोगों में डर का माहौल है। जानकारी के अनुसार, सेक्टर-4 शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के पास एक गाय इधर-उधर घूम रही थी। इसी दौरान सड़क से गुजर रहे एक व्यक्ति पर उसने अचानक हमला कर दिया। व्यक्ति जान बचाने के लिए इधर-उधर दौड़ता रहा। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह उसे गाय से बचाया। वीडियो में यह घटना शाम 5:42 बजे की दिखाई दे रही है। वीडियो करीब 1 मिनट 49 सेकंड का है। बता दें कि शहर में आवारा पशुओं के हमले की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पिछले सप्ताह भी सेक्टर-4 में दो लोगों पर गाय ने हमला किया था। इससे पहले भगवानपुर में भी एक बुजुर्ग पर हमला हो चुका है। इसी साल एक बुजुर्ग महिला की मौत और एक कार के क्षतिग्रस्त होने की घटना भी सामने आ चुकी है। नगर परिषद द्वारा आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई थी, लेकिन करीब एक महीने से यह फाइलों में ही अटकी हुई है। इस कारण सड़कों और बाजारों में पशुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। लोगों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

बारिश बनी काल! पानीपत रेलवे ट्रैक पर युवक की मौत, ऑटो पकड़ने की जल्दी में हुआ हादसा

फरीदाबाद : फरीदाबाद से अपनी बहन से मिलने पानीपत आए एक परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। बुधवार शाम लघु सचिवालय के पीछे रेलवे लाइन पार करते समय एक 47 वर्षीय व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, हादसा तेज बारिश और विजिबिलिटी कम होने के कारण हुआ। मृतक की पहचान फरीदाबाद निवासी संदीप शर्मा (47 वर्ष) के रूप में हुई है। चश्मदीदों और पुलिस जांच के अनुसार, संदीप कल शाम लघु सचिवालय के पीछे पैदल जा रहा था। उस वक्त तेज बारिश हो रही थी। संदीप संभवतः एक ऑटो का पीछा करते हुए जल्दी में था और इसी दौरान वह अचानक डाउन लिंक रेलवे ट्रैक पर चढ़ गया। उसी समय वहां से गुजर रही एक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में वह आ गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि संदीप ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही राजकीय रेलवे पुलिस (ऋक्रद्ध) मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पानीपत के सामान्य अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया था। संदीप के पानीपत स्थित बहन के परिवार और फरीदाबाद में उसके परिजनों को सूचित किया गया। आज सुबह शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद जीआरपी ने अंतिम संस्कार के लिए पार्थिव शरीर परिजनों को सौंप दिया है। जीआरपी अधिकारियों ने इस घटना पर दुख जताते हुए आमजन से अपील की है कि बारिश या धुंध के दौरान रेलवे ट्रैक पार न करें और हमेशा अधिकृत फुट ओवर ब्रिज (ऋद्दइ) का ही इस्तेमाल करें।

हरियाणा मेट्रो ने भरी ऊंची उड़ान: यात्रियों का बढ़ा भरोसा

चंडीगढ़ः हरियाणा के शहरी परिवहन नेटवर्क ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। वर्ष 2025-26 में मेट्रो यात्रियों की संख्या में 13.55 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो सार्वजनिक परिवहन के प्रति यात्रियों के बढ़ते विश्वास और स्पष्ट रुझान को दशार्ता है। यह उपलब्धि आज यहां मुख्य सचिव और HMRTC के अध्यक्ष श्री अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में आयोजित हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (HMRTC) बोर्ड की 64वीं बैठक के दौरान सामने आई। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच मेट्रो नेटवर्क का उपयोग करने वाले यात्रियों की संख्या 1.74 करोड़ से अधिक हो गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 1.53 करोड़ था। जुलाई महीने में 22.93 प्रतिशत की सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई, जबकि अन्य सभी महीनों में भी सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली। यह परिचालन की विश्वसनीयता, सेवाओं में सुधार और यात्रियों को दी जा रही बढ़ती प्राथमिकता को दशार्ता है। वित्तीय दृष्टिकोण से भी HMRTC का प्रदर्शन उत्साहजनक रहा है। जनवरी 2026 तक किराये से होने वाली आय में 12.64 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, गैर-किराया राजस्व (non-fare revenue) में 108 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की

गई है। यह वृद्धि स्टेशन परिसर के बेहतर उपयोग, विज्ञापन और वाणिज्यिक गतिविधियों से होने वाली आय के कारण संभव हो पाई है। स्टेशनों के नामकरण के अधिकारों की नीलामी और विज्ञापन के लिए अधिक स्थान विकसित करने जैसी पहलों से HMRTC की वित्तीय स्थिति को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने कहा कि यात्रियों की संख्या और माल ढुलाई में लगातार हो रही वृद्धि हरियाणा की एकीकृत परिवहन रणनीति की सफलता को दशार्ती है। उन्होंने परियोजनाओं के समयबद्ध कार्यान्वयन, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय और यात्रियों को केंद्र में रखकर सेवाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए। HMRTC के प्रबंध निदेशक श्री चंद्रशेखर खरे ने कहा कि परिचालन संबंधी उपलब्धियों के साथ-साथ राज्य में मेट्रो और क्षेत्रीय परिवहन परियोजनाओं पर भी लगातार प्रगति हो रही है। गुरुग्राम के सेक्टर-56 से पंजगांव तक मेट्रो कनेक्टिविटी पर तेज गति से विचार किया जा रहा है। इस संबंध में, HSIIDC विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) और लेआउट प्लान का अध्ययन कर रहा है, और सिही गाँव के पास सेक्टर-36अ में डिपो के लिए जगह तय कर रहा है। साथ ही, बल्लभगढ़-पलवल मेट्रो विस्तार परियोजना की तकनीकी-व्यवहार्यता का आकलन फ्ळ्ए द्वारा किया जा रहा है। बहादुरगढ़-अवधा कनेक्टिविटी के लिए भी एक नया अध्ययन किया जा रहा है, क्योंकि HRIDC ने यात्रियों की आवाजाही बढ़ाने के लिए अवधा में एक नया इंटरचेंज स्टेशन बनाने का फैसला किया है। गुरुग्राम-फरीदाबाद नमो भारत कॉरिडोर ने एक अहम पड़ाव हासिल कर लिया है। इसका रूट और स्टेशनों की जगहें तय कर ली गई हैं और राज्य सरकार ने उन्हें मंजूरी दे दी है

विकास दिव्यांग सेवा समिति ट्रस्ट ने ईद से पहले जरूरतमंदों को बांटे सूट

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में गुरुवार को विकास दिव्यांग सेवा समिति ट्रस्ट द्वारा जरूरतमंद महिलाओं के लिए ईद के त्यौहार को ध्यान में रखते हुए सूट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम रायसत्ती बस स्टैंड के सामने स्थित ट्रस्ट कार्यालय पर संपन्न हुआ। इस अवसर पर ट्रस्ट पदाधिकारियों ने सैकड़ों जरूरतमंद महिलाओं को ईदी के रूप में सूट वितरित किए और उनके चेहरों पर खुशी लाने का प्रयास किया। कार्यक्रम से पूर्व एक बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने कहा कि त्योहार सभी के लिए खुशियां लेकर आते

हैं, ऐसे में समाज के सक्षम लोगों का दायित्व है कि वे जरूरतमंदों की मदद करें। उन्होंने संदेश दिया कि हिंदू और मुस्लिम सभी को मिलजुलकर त्योहार मनाने चाहिए, जिससे समाज में सौहार्द बना रहे।
कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष आस मोहम्मद, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इन वाराणसी, संगठन प्रभारी इसरार मलिक, अजीम गाजी, महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष फरहत खलील, शाहीन एडवोकेट, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व मीडिया प्रभारी निशा खान, शमा परवीन, राधा कुमारी, शाइस्ता एडवोकेट सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। सूट वितरण पाकर महिलाओं ने ट्रस्ट का आभार व्यक्त किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं और कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

चांद न दिखने पर ईद 21 मार्च को मनाने का ऐलान

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में गुरुवार को मरकजी रुयते हिलाल कमेटी की बैठक मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता शहर मुफ्ती कारी अलाउद्दीन अजमली ने की।
बैठक में चांद दिखने की पुष्टि के लिए शहर सहित देश के विभिन्न हिस्सों से संपर्क किया गया, लेकिन कहीं से भी चांद नजर आने की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई। इसके बाद उलेमा-ए-सम्भल की मौजूदगी में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 20 मार्च, शुक्रवार को 30वां रोजा रखा जाएगा और ईद-उल-फितर 21 मार्च, शनिवार को मनाई जाएगी।
बैठक में मौजूद उलेमा ने लोगों से अपील की कि वे शांति और भाईचारे के साथ रमजान के आखिरी रोजे को अदा करें और ईद की तैयारियां करें।

इस दौरान कारी तनजीम अशरफ अजमली, इमाम-ए-ईदगाह मौलाना जहीरुल इस्लाम, मौलाना कारी राशिद रिजवी, मुफ्ती इमरान नईमी, मुफ्ती आफताब, मौलाना शरीफ अहमद, मौलाना कारी साजिद, मौलाना मुहम्मद हुसैन, मौलाना शमशाद, कारी इकराम अजमली, कारी शाहिद, कारी सरताज, कारी जाहिद, फरीद अहमद एडवोकेट, सैय्यद अब्दुल कदीर, कारी शुएब, हाफिज अब्दुल मन्नान अशरफी, मुहम्मद अहमद नौशाही, तकी अशरफ एडवोकेट, जुनैद कादरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

ईद व अलविदा जुम्मे से पहले प्रशासन अलर्ट, डीएम-एसपी ने किया पैदल गश्त

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में ईद-उल-फितर और अलविदा जुम्मे की नमाज को शांतिपूर्ण व सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने कस्बा सम्भल में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त की। गश्त के दौरान अधिकारियों ने शहर के प्रमुख मार्गों, बाजारों और मस्जिदों के आसपास की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन के माध्यम से निगरानी भी की गई, ताकि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा सके। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने मौके पर तैनात पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था

बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पैदल गश्त के दौरान अधिकारियों ने आमजन से संवाद स्थापित करते हुए आपसी भाईचारा, शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने लोगों से कहा कि त्योहार को मिलजुल कर मनाएं और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। प्रशासन की ओर से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि ईद-उल-फितर और अलविदा जुम्मे की नमाज के अवसर पर सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित की जाएं और सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जाए। जनपद पुलिस और प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं, जिससे दोनों पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सकें।

हरियाणा के इस जिले के अस्पताल में डॉक्टरों की कमी, दिन-ब-दिन हालात होते जा रहे खराब

यमुनानगर : यमुनानगर के सरकारी अस्पतालों की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। अस्पतालों में डॉक्टरों और स्टाफ की भारी कमी के चलते मरीजों को इलाज के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के कारण कई अहम पद खाली आरटीआई एक्टिविस्ट सुमित पाल ने आरोप लगाया है कि स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के कारण कई अहम पद खाली पड़े हैं। रेडियोग्राफर के 21 पदों में से 19 खाली हैं, एसएमवो के 17 में से 9 पद रिक्त हैं, जबकि मेडिकल ऑफिसर्स के 192 पदों में से 93 पद खाली पड़े हैं। यही नहीं ऑपरेशन थिएटर असिस्टेंट के 24 पदों में से 18 खाली हैं और नर्सिंग स्टाफ की भी भारी कमी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि रेडियोग्राफर,

एसएमवो, मेडिकल ऑफिसर और वोटीए जैसे जरूरी पदों पर नियुक्तियां नहीं होंगी, तो मरीजों को बेहतर इलाज कैसे मिलेगा।
स्वास्थ्य सेवाओं में इस तरह की कमी न केवल मरीजों के लिए परेशानी का कारण बन रही है, बल्कि यह प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करती है। अब देखने वाली बात यह होगी कि सरकार इस गंभीर स्थिति को सुधारने के लिए क्या कदम उठाती है और कब तक लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल पाती हैं।

कांग्रेस विधायक शैली चौधरी का दावा, बोलीं- विडियो जारी करें, मैं गलत हूं तो छोड़ दूंगी राजनीति

चंडीगढ़ : कांग्रेस विधायक शैली चौधरी ने बड़ा खुलासा किया है। एक न्यूज चैनल के इंटरव्यू में शैली चौधरी ने कहा कि जब मैने वहां पर वोट डाला, बीजेपी एजेंट की तरफ से मेरे वोट पर ऑब्जेक्शन लगाई गई। भाजपा ने मेरे वोट को कैंसिल करने की मांग की। 10 से 15 मिनट तक भाजपा और कांग्रेस के बीच बहस हुई। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, खेल मंत्री गौरव गौतम सब वहां पर मौजूद थे। सब में बहस हुई। उन्होंने कहा कि मुझे 15 मिनट वहां पर खड़े रखा गया। उसके बाद मेरे वोट को वैलिड माना गया। अगर मैंने भाजपा को वोट दिया होता क्यों बीजेपी मेरा वोट कैंसिल करने की मांग करती, क्यों कांग्रेस के एजेंट मेरे वोट का बचाव करते। वहां की वीडियो जारी कर सकते हैं। खेल मंत्री गौरव गौतम व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा से पूछ सकते हैं कि वहां क्या-क्या हुआ था। अगर इस बात में सच्चाई नहीं है तो मैं राजनीति छोड़ दूंगी। कांग्रेस में पसंद

कांग्रेस विधायक शैली चौधरी ने बड़ा खुलासा किया है। एक न्यूज चैनल के इंटरव्यू में शैली चौधरी ने कहा कि जब मैने वहां पर वोट डाला, बीजेपी एजेंट की तरफ से मेरे वोट पर ऑब्जेक्शन लगाई गई। भाजपा ने मेरे वोट को कैंसिल करने की मांग की।

नापसंद का खेल चल रहा है जिसको ना पसंद किया जाता है तो उनको वह लोग निपटा देते हैं। मैं क्यों इस्तीफा दूं, मेरा फैसला नारायणगढ़ की जनता करेगी। शैली चौधरी मैं भड़ाना परिवार की बेटी हूं और जहां नारायणगढ़ की बहू हूं। वह भी एक बड़ा राजनीतिक परिवार है। हरियाणा बना तब से यह लोग मंत्री विधायक हैं, जिन विधायकों के ऊपर क्रॉस वोट के आरोप लग रहे हैं, सभी आहत हैं। कांग्रेस उम्मीदवार को 9 वोट कम मिले हैं, उन सभी नौ नाम का खुलासा होना चाहिए। उन पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। जिन विधायकों के वोट कैंसिल हुए हैं, वह उनकी पसंद के विधायक है, उनको बचाने की कोशिश की जा रही है।

सेहत के लिए बेहद लाभदायक है नींबू पानी

नींबू पानी को अगर देशी कोल्ड्रिंक कहा जाए, तो इसमें कुछ गलत नहीं होगा। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर यह पेय सेहत और सौंदर्य से जुड़े इतने फायदे देता है, जितने आप सोच भी नहीं सकते। जानिए नींबू पानी के कुछ ऐसे ही फायदे जो आपकी सेहत के लिए बेहद लाभदायक हैं -

नींबू विटामिन सी का बेहतर स्त्रोत है। साथ ही, इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी- 6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। यह खराब गले, कब्ज, किडनी और मसूड़ों की समस्याओं में राहत पहुंचाता है। साथ ही ब्लड प्रेशर और तनाव को कम करता है। त्वचा को स्वस्थ बनाने के साथ ही लिवर के लिए भी यह बेहतर होता है। पाचन क्रिया, वजन संतुलित करने और कई तरह के कैंसर से बचाव करने में नींबू पानी मददगार होता है। नींबू पानी में कई तरह के मिनरल्स जैसे आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटैशियम और जिंक पाए जाते हैं।

किडनी स्टोन

नींबू पानी का स्वास्थ्य पर पड़ने वाला सबसे महत्वपूर्ण फायदा है, इसका किडनी स्टोन से राहत पहुंचाना। मुख्यरूप से किडनी स्टोन शरीर से बिना किसी परेशानी के निकल जाता है, लेकिन कुछ मामलों में यह यूरीन के बहाव को ब्लॉक कर देते हैं जो अत्यधिक पीड़ा का कारण बनता है। नींबू पानी पीने से शरीर को रिहाइड्रेट होने में मदद मिलती है और यह यूरीन को पतला रखने में मदद करता है। साथ ही यह किडनी स्टोन बनने के किसी भी तरह के खतरे को कम करता है।

डायबिटीज

नींबू पानी, हाई शुगर वाले जूस व ड्रिंक का बेहतर विकल्प माना जाता है। खासतौर से उनके लिए जो डायबिटीज के मरीज हैं या वजन कम करना चाहते हैं। यह शुगर को गंभीर स्तर तक पहुंचाए बिना शरीर को रिहाइड्रेट व एनर्जाइज करता है।

पाचनक्रिया में फायदेमंद

नींबू पानी में मौजूद नींबू का रस हाइड्रोक्लोरिक एसिड और पित्त सिक्रेशन के प्रोडक्शन में वृद्धि करता है, जो पाचन के लिए आवश्यक है। साथ ही यह एसिडिटी और गठिया के खतरे को भी कम करता है। जो लोग आमतौर पर पाचन-संबंधी समस्याओं जैसे एबडॉमिनल क्रैम्प्स, ब्लॉटिंग, जलन और गैस की समस्या आदि से परेशान होते हैं, उन्हें नियमित रूप से नींबू पानी का सेवन करना चाहिए।

कब्ज

अगर आपको कब्ज की समस्या है, तो नींबू पानी आपके लिए बेहद फायदेमंद है। प्रतिदिन सुबह गर्म नींबू पानी पिएं और पूरे दिन कब्ज की समस्या से दूर रहें।

इम्यून सिस्टम

नींबू पानी बायोफ्लेवोनॉयड, विटामिन सी और फाइटोन्यूट्रियंट्स का बेहतर स्रेत है जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की शक्ति बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स के कारण यह शरीर के एनर्जी लेवल को बढ़ाने में मदद करता है।

खराब गला

नींबू पानी को गुनगुना करके पीने से गले की खराबी या फैरिन्जाइटिस में आराम पहुंचाता है।

वजन

हर सुबह शहद के साथ गुनगुना नींबू पानी पीने से अतिरिक्त वजन आसानी से कम किया जा सकता है।

मसूड़ों की समस्या

नींबू पानी पीने से मसूड़ों से संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है। नींबू पानी में एक चुटकी नमक मिलाकर पीने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार तेज भूख लगने पर कभी खाली पेट न खाएं ये चीजें

कभी-कभी ऐसा होता है कि हमें बहुत तेज भूख लग जाती है और हम उस वक्त हमें जो भी उपलब्ध होता है, वो खाने लग जाते हैं लेकिन ऐसा करना आपके लिए घातक हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक तेज भूख लगने पर कुछ ऐसी चीजें है, जिन्हें नहीं खाना चाहिए।आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वो चीजें-

अमरुद

अमरुद एक ऐसा फल है, जिसे अलग-अलग स्थितियों में खाने पर अलग-अलग परिणाम देखने को मिलते हैं यानी अगर आप सर्दियों में सुबह के वक्त खाली पेट अमरुद खाएंगे, तो आपको पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं, गर्मी में खाली पेट अमरूद खाएंगे, तो यह फायदा देता है। ऐसे में आपको खाली पेट अमरूद नहीं खाना चाहिए।

सेब

सर्दियों में खाली पेट सेब खाने से बीपी बढ़ सकता है, अगर सुबह सबसे पहले यानी बिना कुछ खाए आप सेब खा लेते हैं, तो इस दिक्कत का सामना आपको करना पड़ सकता है लेकिन गर्मी में आप खाली पेट सेब खा सकते हैं।

टमाटर

टमाटर की तासीर गर्म होती है। इसे आप सर्दी के मौसम में तो खाली पेट खा सकते हैं लेकिन गर्मी के मौसम में ऐसा करने पर पेट में या सीने में जलन की समस्या हो सकती है। आपको सुबह के समय टमाटर खाने से परहेज करना चाहिए।

चाय-कॉफी

चाय या कॉफी को खाली पेट पीने से बचना चाहिए।आप चाय या कॉफी को बिस्किट, ब्रेड के साथ ले सकते हैं लेकिन खाली पेट या तेज भूख लगने पर सिर्फ चाय-कॉफी न लें, इससे आपके पेट में गैस बन सकती है।

दही

बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें दही फायदे की जगह पर हानि पहुंचा देती है।ऐसे में दही को सुबह के समय खाली पेट खाने से बचना चाहिए, वर्ना आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

अमृत है आंवला 10 बेहतरीन फायदे

विटामिन-सी से भरपूर आंवला, हर मौसम में लाभदायक होता है। यह आंखों, बालों और त्वचा के लिए तो फायदेमंद है ही, साथ ही इसके और भी कई फायदे हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। आमतौर पर आंवले का प्रयोग अचार, मुरब्बा या चटनी के रूप में किया जाता है,लेकिन इसका अलग-अलग तरह से सेवन आपके लिए बेहद उपयोगी है। अगर आप नहीं जानते इस अनमोल फल के बारे में तो जरूर पढ़िए -

- डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत काम की चीज है। पीड़ित व्यक्ति अगर आंवले के रस का प्रतिदिन शहद के साथ सेवन करे तो बीमारी से राहत मिलती है।
- एसिडिटी की समस्या होने पर आंवला बेहद फायदेमंद होता है। आंवला का पाउडर, चीनी के साथ मिलाकर खाने या पानी में डालकर पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है। इसके अलावा आंवले का जूस पीने से पेट की सारी समस्याओं से निजात मिलती है।
- पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में पथरी गल जाएगी।
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और खून की कमी नहीं होने देता।
- आंखों के लिए आंवला अमृत समान है, यह आंखों की रौशनी को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके लिए रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की समस्या भी खत्म हो जाती है।
- बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छौंक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ जाने पर आंवल सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन या आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने की पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।
- याददाश्त बढ़ाने में आंवला काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- चेहरे के दाग-धब्बे हटाकर उसे खूबसूरत बनाने के लिए भी आंवला आपके लिए उपयोगी होता है। इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ, चमकदार होती है और झुर्रियां भी कम हो जाती हैं।
- बालों को काला, घना और चमकदार बनाने के लिए आंवले का प्रयोग होता है, इसके पाउडर से बाल धोने या फिर इसका सेवन करने से बालों की समस्याओं से निजात मिलती है

नाश्ते में इन पांच चीजों को खाने से तेजी से बढ़ता है वजन, ज्यादातर लोग करते हैं सेवन

फिटनेस पाने के लिए लोग क्या-क्या जतन करते हैं। कई सर्वे के अनुसार आप शरीर पर चर्बी होने के कारण कई बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आपको बैली फैट कम करने के साथ फिट रहने की कोशिश करनी चाहिए। खुद को फिट रखने में ब्रेकफॉस्ट का भी अहम रोल होता है, ऐसे में आपको अगर हमेशा स्लिम ट्रिम रहना है, तो ऐसी 5 चीजें हैं, जो आपको नाश्ते में बिल्कुल नहीं खानी चाहिए-

वाइट ब्रेड - ब्रेड ज्यादातर भारतीय घरों में खाई जाती है लेकिन आपको बता दें कि ब्रेड का ज्यादा सेवन करना न सिर्फ आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे आपका वजन भी बढ़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि वाइट की जगह ब्राउन ब्रेड का सेवन करे।

प्रोसेस्ड फूड - ऐसे खाद्य पदार्थों को कई बार पकने की क्रिया से गुजरना पड़ता है। साथ ही तेल, मसाले, घी होने की वजह से ये सेहत के लिए भी अच्छे नहीं होते। आपको चिप्स, पॉपकॉर्न, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स आदि से दूर रहना चाहिए।

केक, कुकीज - केक और कुकीज में मैदे के अलावा घी और क्रीम का इस्तेमाल होता है, जो आपकी फिटनेस के हिसाब से बिल्कुल भी सही नहीं है इसलिए आपको नाश्ते में इन चीजों को नहीं खाना चाहिए।

नूडल्स - नूडल्स खाने में तो बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन इसे हेल्दी ब्रेकफॉस्ट नहीं माना जा सकता है, इसी वजह से आपको नूडल्स नाश्ते में बिल्कुल नहीं खाने चाहिए।

फ्रूट जूस - आपको कोशिश करनी चाहिए कि मार्केट में उपलब्ध फ्रूट जूस बिल्कुल न पिएं बल्कि आप घर में ही फलों का जूस निकालकर पी सकते हैं। आपके पास अगर जूस की जगह फल खाने का समय है, तो नाश्ते के लिए सबसे बेहतरीन रहेगा।

पकौड़े-कचौड़ी - सुबह-सुबह तली चीजें खाना बिल्कुल भी सही नहीं है। आप पकौड़े और कचौड़ी जैसी तली हुई चीजें सुबह नहीं खाएंगे, तो आपकी सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

आंखों को थकान से राहत देगा गुलाब जल, कम होगा तनाव

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल न केवल आपके पूरे स्वास्थ्य पर असर डालता है बल्कि इसका असर आपकी नाजुक आंखों पर भी पड़ता है।

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ही मोबाइल के संपर्क में भी हम ज्यादा रह रहे हैं जिससे आंखों में जलन, धुंधला दिखना व खुजली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों की देखभाल करें और जब भी आंखों पर दबाव महसूस करें तो स्क्रीन से दूर हो जाएं और बीच-बीच में आंखों को ठंडे पानी से भी धोते रहें। आंखों की जलन की परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। भले ही इस वक्त आप घर पर हैं लेकिन आंखों में जलन आप महसूस करते होंगे। इसलिए इन समस्याओं से निजात पाने के लिए आपको अपनी आंखों की सही देखभाल की जरूरत है, वहीं गुलाब जल का इस्तेमाल आपको आंखों की समस्या से निजात दिला सकता है। गुलाब जल के इस्तेमाल से आंखों को ठंडक मिलती है, साथ ही ताजगी महसूस होती है। ओवरटाइम काम करने के दौरान आंखों में तनाव महसूस होता है इसके लिए खुद को रिलेक्स करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कॉटन में गुलाब जल डालें और इसे अपनी आंखों पर रखकर कुछ देर के लिए आंखों को आराम दें। गुलाब जल को आंखों में डालने से भी तुरंत राहत मिलती है, साथ ही फ्रेश महसूस होता है। अत : अपने आंखों का ध्यान रखें और समय-समय पर अपनी पलकों को झपकाते रहें।

कैसे पहचानें कि इम्यून सिस्टम है कमजोर

इम्यून सिस्टम के मजबूत होने पर हम बीमारियों से लड़ सकते हैं। यदि हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत है तो बीमारी हम पर हावी नहीं हो सकती। अगर हमारी इम्यूनिटी मजबूत है तो यह हमें न सिर्फ सर्दी और खांसी से बचाती है बल्कि हैपेटाइटिस, लंग इंफेक्शन, किडनी इंफेक्शन सहित और कई बीमारियों से हमारा बचाव होता है। लेकिन हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर है तो हम इसको कैसे पहचान सकते हैं, क्योंकि कई बार यह होता है इम्यून सिस्टम कमजोर तो होता है, पर हम इसे समझ ही नहीं पाते। आखिर कैसे पहचान करें कि आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है, आइए जानते हैं।

अगर आपको लगता है कि आप बार-बार बीमार हो रहे हैं और जुकाम की शिकायत रहती है। बार-बार सर्दी हो जाना और यदि आपके आस-पास ऐसा कोई व्यक्ति है जिसे खांसी है और आपको भी इससे जल्दी खांसी या सर्दी हो जाती है तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। बदलते मौसम का आपको बीमार करना आपके कमजोर इम्यून सिस्टम को दर्शाता है। यदि आप मौसम के बदलने पर बीमार हो रहे हैं तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। व्यायाम करते समय सांसों का फूलना व जल्दी थक जाना यह कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। नींद न आना, आंखों के नीचे काले घेरे, थकान महसूस होना- यह भी कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की अपेक्षा बार-बार बीमार होते हैं, जुकाम की शिकायत रहती है, खांसी, गला खराब होना या स्किन रैशेज जैसी समस्याएं रहती हैं तो बहुत पॉसिबल है कि यह आपके इम्यून सिस्टम की वजह से हो। कैंडिडा टेस्ट का पॉजिटिव होना, बार-बार यूटीआई, डायरिया, मसूड़ों में सूजन, मुंह में छाले वगैरह भी खराब इम्यूनिटी के लक्षण हैं।

करण जौहर ने 'सूबेदार' को बताया शानदार

एक्शन-ड्रामा फिल्म 'सूबेदार' ओटीटी रिलीज के बाद काफी चर्चा में है। हर कोई अनिल कपूर के एक्शन अवतार और फिल्म की कहानी की जमकर तारीफ कर रहा है। अब इस कड़ी में फिल्ममेकर करण जौहर का नाम जुड़ गया है। करण जौहर ने शनिवार को इंस्टाग्राम के जरिए अनिल कपूर के काम की जमकर सराहना की। उन्होंने अनिल कपूर के एक्शन अवतार की तस्वीर शेयर की। इसके साथ ही करण जौहर ने लिखा, 'मैं इस शानदार और दमदार फिल्म को देखने के लिए देर से पहुंचा था। क्या कमाल की फिल्म है और अनिल कपूर ने कितनी मजेदार और शानदार परफॉर्मेंस दी है कि वह सच में कमाल हैं।' इसी के साथ करण ने पूरी स्टार कास्ट की जमकर सराहना करने के साथ बधाई भी दी। करण ने लिखा, 'पूरे कास्ट, सुरेश और प्राइम वीडियो को इतनी बेहतरीन और शानदार फिल्म बनाने के लिए बधाई।' सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्देशित एक्शन और ड्रामा से भरपूर फिल्म 'सूबेदार' में अनिल कपूर के अलावा, राधिका मदान, मोना सिंह, अदित्य रावल और सौरभ शुक्ला जैसे मंझे हुए कलाकार अहम किरदार में हैं। एक्शन-ड्रामा फिल्म 'सूबेदार' में अनिल कपूर ने अर्जुन मौर्य नाम के रिटायर्ड फौजी का किरदार निभाया है, जो स्थानीय रेत माफिया और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी बेटी (राधिका मदान) के साथ मिलकर जंग लड़ता है। यह एक हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म है, जो अपनी दमदार एक्टिंग के लिए चर्चा में है। फिल्म की कहानी एक रिटायर्ड सूबेदार अर्जुन मौर्य की है, जो अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद बेटी श्यामा (राधिका मदान) के साथ रिश्ते सुधारने और शांतिपूर्ण जीवन के लिए घर लौटता है, लेकिन स्थानीय रेत माफिया के आतंक और अपनी कार को हुए नुकसान के बाद वह उनके खिलाफ खड़ा हो जाता है। फिल्म की स्टार कास्ट काफी दमदार है, जिसकी हर जगह सराहना हो रही है।

इंडस्ट्री के लोग समझते थे नीचा; 'अक्सर 2' विवाद पर की बात

सलमान खान के साथ 'वीर' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली जरीन खान की तुलना कटरीना कैफ से की जाती थी। हालांकि, जरीन का करियर कटरीना जैसा सफल नहीं रहा। जबकि 'हाउसफुल 2' और 'हेट स्टोरी 3' जैसी कमर्शियल फिल्मों का भी हिस्सा रहीं। लेकिन 2017 में आई 'अक्सर 2' बाद में विवादों में घिर गई। जरीन का दावा है कि उन्हें अपनी ही फिल्म के प्रीमियर में आमंत्रित तक नहीं किया गया था।

'अक्सर 2' को लेकर हुए विवाद पर की बात

हाल ही में मैमोथ मीडिया एशिया पॉडकास्ट पर पूजा भट्ट के साथ बातचीत के दौरान जरीन खान ने इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की। 'हेट स्टोरी 3' के बाद के दौर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि 'हेट स्टोरी' करने के बाद बहुत से लोग खासकर फिल्म इंडस्ट्री के लोग मुझे नीची नजरों से देखने लगे। वे कहते थे, 'क्योंकि वह अभिनय नहीं कर सकती, इसलिए उसने कपड़े उतारने का फैसला किया।' जरीन ने अनंत महादेवन के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए कहा कि मेकर्स ने शुरू में इस प्रोजेक्ट को एक स्टाइलिश नॉयर फिल्म के रूप में पेश किया था। उन्हें आश्वासन दिया था कि इसमें 'हेट स्टोरी 3' की तरह बोल्ड सीन नहीं होंगे। उन्होंने बड़ी ही सधी हुई अंग्रेजी में स्क्रिप्ट सुनाई और कहा, 'हम कोई नफरत की कहानी नहीं बना रहे हैं। हम एक जॉनर नॉयर बना रहे हैं।' मैंने सोचा, ठीक है। लेकिन सेट पर पहुंचते ही, हर दूसरा सीन या तो किस के साथ खत्म होता।

मेकर्स जानबूझकर इंटिमेसी सीन करने को कहने लगे

अभिनेत्री ने आगे बताया कि मैंने उनसे कहा, 'मुझे इंटिमेट सीन करने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन आपने मुझे बिल्कुल अलग ब्रीफ दिया था। अब सिर्फ इसलिए कि आपने वह फिल्म देखी है, आप ये सब जोड़ना चाहते हैं।' बाद में मुझे एहसास हुआ कि निर्देशक रीढ़विहीन थे। वह निर्माताओं को कहानी का एक संस्करण बताते थे और मुझे और मेरे कॉस्ट्यूम डिजाइनर शाहिद आमिर को दूसरा। जैसे-जैसे फिल्म आगे बढ़ी, टीम के सदस्यों के बीच मतभेद बढ़ते गए। मेकर्स अचानक मुझसे लगभग हर सीन में ब्रा वाला सीन, किसिंग सीन या कुछ उत्तेजक करने को कहने लगे। वो भी सिर्फ इसलिए कि मैंने पहले ऐसी एक फिल्म की थी। यह ठीक नहीं है।

इसलिए पूरी की फिल्म

हालांकि, बढ़ते तनाव के बावजूद जरीन ने फिल्म पूरी की। उनका कहना है कि मैं नखरे दिखाने वाली नहीं हू। मुझे पता है कि लोगों का पैसा दांव पर लगा है, इसलिए मैं हमेशा बातचीत करके बीच का रास्ता निकालने की कोशिश करती हूं। लेकिन फिल्म पूरी होते-होते हालात इतने बिगड़ गए थे कि मुझे अपनी ही फिल्म की स्क्रीनिंग में भी नहीं बुलाया गया। जरीन ने यह भी आरोप लगाया कि उस समय की मीडिया रिपोर्ट्स में उन्हें काम करने में मुश्किल व्यक्ति के रूप में गलत तरीके से पेश किया गया था।

'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' के सीक्वल की सही समय पर घोषणा करेंगी जोया अख्तर

निर्माता-निर्देशक जोया अख्तर का मानना है कि रोमांटिक फिल्में जल्द ही हिंदी सिनेमा में फिर से प्रमुखता हासिल कर सकती हैं। उनका कहना है कि कहानी कहने के रुझानों का एक साइकिल होता है, जो घूमकर वापस आता है। उनके अनुसार, विभिन्न शैलियां अक्सर सेचुरेशन के दौर से गुजरती हैं, जिसके बाद दर्शक उनकी अपील को फिर से पहचानते हैं। यही कारण है लव स्टोरी भी फिर से वापस लौटेंगी। जोया अख्तर ने बताया कि वह कहानियों को लिखने और विकसित करने के लिए किस तरह का दृष्टिकोण अपनाती हैं। उन्होंने कहा कि मैं उस तरह से काम नहीं करती। जैसे, मैं यह नहीं सोचती कि 'अब लोग यह ढूंढ रहे हैं, तो चलो मैं यह लिखती हूं।' लेकिन अगर आप पिछले 10-15 साल पर नजर डालें, तो बदलाव आया है। सब कुछ बदलता है। अगर आप इसे चक्रीय रूप से देखें, तो शायद प्रेम कहानियां फिर से लौट आएंगी।अपने आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में बात करते हुए जोया ने बताया कि हमारी फिल्म 'दहाड़ 2' की शूटिंग चल रही है। रीमा कागती इसकी शूटिंग कर रही हैं। मैं अपने लिए दो स्क्रिप्ट लिख रही हूं। रीमा के लिए हमने एक स्क्रिप्ट पूरी कर ली है। हम फिलहाल अन्य निर्देशकों के साथ मिलकर कई स्क्रिप्ट्स पर काम कर रहे हैं, ताकि उन्हें तैयार करके निर्माण कर सकें। बातचीत के दौरान जोया अख्तर से उनकी सुपरहिट फिल्म 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' के सीक्वल को लेकर चल रही चर्चा के बारे में पूछा गया। इस पर ज्यादा कुछ बोलने से बचते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी आधिकारिक जानकारी सही समय आने पर ही दी जाएगी।

एक इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट में साथ आएंगे मोहित रैना और प्रियामणि

मोहित रैना और साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि जल्द ही एक साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। 'देवों के देव महादेव' से घर-घर में पहचान बनाने वाले मोहित की नई फीचर फिल्म की जिम्मेदारी निर्माता हर्ष महादेश्वर ने उठाई है। यह एक इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट होगा, जिसका टाइटल फिलहाल तय नहीं किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म अमेरिकी प्रोडक्शन कंपनी रेड बाइसन प्रोडक्शंस और मुंबई स्थित एज्योर एंटरटेनमेंट के बीच रचनात्मक सहयोग का नतीजा है। कहानी एक वास्तविक अप्रवासी परिवार से प्रेरित बताई जा रही है, जो अमेरिका में अपनी सांस्कृतिक पहचान और अपनेपन की तलाश में संघर्ष करता है। भावनात्मक और सांस्कृतिक टकराव इस फिल्म का सेंटर पॉइंट होंगे। फिल्म की शूटिंग अप्रैल 2026 में शुरू होने की योजना है। अधिकांश फिल्मांकन न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में किया जाएगा, जबकि कुछ अहम हिस्से दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में भी शूट होंगे।

'धुरंधर 2' में कैमियो करने वाले थे अनिल कपूर फिर क्यों नहीं किया काम?

फिल्म 'धुरंधर 2' की रिलीज नजदीक आ रही है। फैंस इसे लेकर उत्साहित हैं। वह इससे जुड़े अपडेट जानना चाहते हैं। ऐसे में अनिल कपूर ने फिल्म को लेकर एक जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि फिल्म में कैमियो रोल के लिए आदित्य धर ने उनसे संपर्क किया था। हालांकि उन्हें एक बड़ी वजह के चलते इसे ठुकराना पड़ा। अनिल कपूर ने खुलासा किया है कि उन्हें दूसरे प्रोजेक्ट में काम करने की वजह से 'धुरंधर 2' में कैमियो रोल को ठुकराना पड़ा। इंडिया टुडे से बातचीत में अनिल कपूर ने कहा 'धुरंधर 2 के लिए आदित्य धर मेरे पास आए थे। वह चाहते थे कि मैं फिल्म में एक छोटा कैमियो करूं। अनिल कपूर ने आगे बताया कि वह पहले वाला प्रोजेक्ट नहीं छोड़ना चाहते थे, हालांकि वह 'धुरंधर 2' में कैमियो करना चाहते थे। उन्होंने कहा 'उन तारीखों में मैं दूसरे फिल्ममेकर के साथ काम कर रहा था। मैंने आदित्य से कहा मैं यह कैमियो करना पसंद करूंगा, लेकिन मैंने पहले ही किसी से वादा किया है। वह फिल्म को रिलीज करने वाले हैं। यह अच्छी फिल्म है। इसमें मेरा घाटा है लेकिन कोई बात नहीं।' 'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, राकेश बेदी और सारा अर्जुन मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसके निर्देशक आदित्य धर हैं। अनिल कपूर हाल ही में फिल्म 'सूबेदार' में नजर आए थे। इसका निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया था और इसमें राधिका मदान और खुशबू सुंदर भी उनके साथ थीं।

अपनी बायोपिक बनाने पर बोले राजपाल यादव

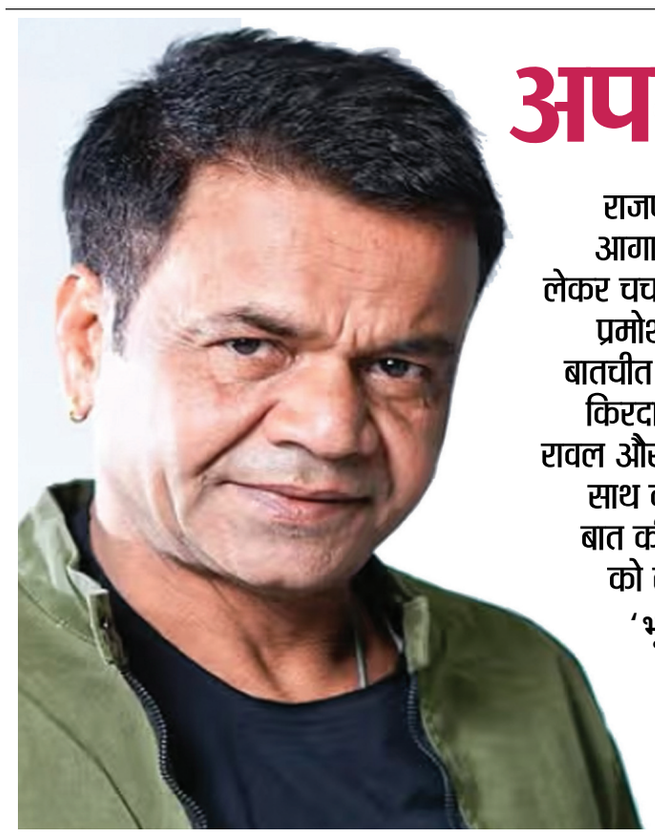

राजपाल यादव इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चाओं में हैं। एक्टर फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान बातचीत में उन्होंने फिल्म में अपने किरदार और अक्षय कुमार, परेश रावल और असरानी जैसे दिग्गजों के साथ काम करने के अनुभवों पर बात की। उन्होंने अपनी बायोपिक को लेकर भी अपनी राय रखी।

'भूत बंगला' का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात

'भूत बंगला' को एक शानदार फिल्म बताते हुए राजपाल ने कहा, 'भूत बंगला की कहानी बहुत दिलचस्प है और मुझे इसमें एक अच्छे कॉन्सेप्ट के साथ शानदार किरदार निभाने का मौका मिला है। मैं इसके लिए पूरी टीम का धन्यवाद देता हूं। यहां आपको स्लैपस्टिक कॉमेडी के साथ भरपूर मनोरंजन मिलेगा। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।' अपने किरदार के बारे में उन्होंने कहा कि प्रियदर्शन की खासियत है कि वे मुझसे अलग-अलग तरह के कॉमन मैन के किरदार करवाते हैं। हर फिल्म में किरदार की मानसिकता अलग होती है और यही चीज मुझे सबसे ज्यादा पसंद आती है।

हर फिल्म अलग होती है

हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया' से इसकी तुलना पर राजपाल कहते हैं, 'पिछले सौ साल के सिनेमा में आगे के सिनेमा की झलक आती है। अब तक कई हॉरर फिल्में बनी हैं और सबकी अपनी क्वालिटी है। यह नई फिल्म है। यह अपने आप में एक अलग कहानी है वो भी बिल्कुल अलग ट्रीटमेंट के साथ। दिग्गजों के साथ काम करने का अनुभव राजपाल आगे कहते हैं, 'अक्षय भाई, परेश भाई और दिवंगत असरानी सर...ये सभी दिग्गज कलाकार हैं। इनके साथ काम करना हमेशा सीखने जैसा होता है। पिछले 20 साल से कई फिल्मों में साथ काम करते हुए एक अच्छा बॉन्ड बन गया है।' अक्षय कुमार के बारे में उन्होंने कहा कि अक्षय में कूट-कूटकर एनर्जी भरी है। उनके साथ काम करते हुए हमेशा कुछ नया सीखने को मिलता है।

असरानी के साथ खास यादें

दिवंगत अभिनेता असरानी के साथ काम करने का अनुभव बताते हुए राजपाल भावुक हो गए। वो बोले- 'हमने बचपन में उनकी फिल्मों पर तालियां बजाई हैं। उनके साथ काम करना अपने आप में एक अनुभव है। शूटिंग के दौरान एक शाम हम साथ बैठकर गाजर का हलवा खा रहे थे और बातचीत कर रहे थे। वो पल मेरे लिए बहुत खास है।'

सीन कटने की चिंता नहीं

मल्टीस्टार फिल्मों में सीन कट होने के डर पर राजपाल यादव का कहना है कि ये सब डायरेक्टर का इंटरप्रिटेशन होता है। एक अभिनेता को इस बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहिए कि उसका सीन रहेगा या कट जाएगा। फिल्म अपने आप में एक विज्ञान है और उसमें एडिटिंग के दौरान बहुत चीजें बदलती रहती हैं

मुझे जानने के लिए मुझे पढ़ना पढ़ेगा

अंत में अपनी बायोपिक के सवाल पर राजपाल मुस्कुरा दिए। बोले- 'राजपाल की बायोपिक बनने से पहले राजपाल को पढ़ना पड़ेगा। मेरी 40 साल की कहानी को दो मिनट में बताना आसान नहीं है।'

अपनी इमेज से खुश हूं

अपनी इमेज पर एक्टर ने कहा कि मैं अपनी बनी हुई इमेज से खुश हूं। मेरी कोशिश हमेशा यही रही है कि हर किरदार की मानसिकता नई हो। मैंने कभी भी अपने किरदारों को रिपीट नहीं किया। मुझे सिनेमा से प्यार है और मैं हर तरह की फिल्म में खुद को फिट करने की कोशिश करता हूं।

सिनेमा समय के साथ चलता है

सिनेमा में बदलाव और कॉमेडी फिल्मों पर अभिनेता ने कहा कि समय के साथ सिनेमा भी बदलता है। पहले कॉमेडी फिल्मों का दौर अलग था। अब सोशल मीडिया और न्यूज चैनल्स के दौर में चीजें बदल गई हैं। लेकिन सिनेमा हमेशा समय के साथ चलता है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।